RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:46 ता. 13 अगस्त 2022, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

डल झील में निकाली गई तिरंगा शिकारा रैली, जम्मू में 3 लाख से अधिक राष्ट्रीय ध्वज बिके

श्रीनगर । श्रीनगर के डल झील में हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा शिकारा रैली का आयोजन किया गया। यह आयोजन जम्मू-कश्मीर के युवा सेवा और खेल विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। शिकारा रैली को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने झंडी दिखाकर रवाना किया। जम्मू जिले में तीन लाख से अधिक राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री हुई है और प्रशासन देश की आजादी के 75 वें वर्ष के मौके पर आयोजित अभियान के लिए तैयार है। जम्मू के मुख्य शिक्षा अधिकारी ने अभियान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए जिले के सभी स्कूलों को शामिल करते हुए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

ईवीएम की जगह बैलेट-पेपर से चुनाव कराने की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

नई दिल्ली । इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को हटाकर बैलेट-पेपर से चुनाव कराने की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिका में कोई मैरिट दिखाई नहीं देती है। वकील मनोहर लाल शर्मा ने शीर्ष अदालत में ईवीएम की बजाय बैलेट पेपर से मतदान कराने की अपील वाली अपनी याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की थी। शर्मा ने अपनी याचिका में कहा था कि बैलेट-पेपर से ही चुनाव होने चाहिए। उन्होंने कहा था कि हम कानून के लिहाज से बात कर रहे हैं। अपनी याचिका में शर्मा ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 61 (ए) को चुनौती दी थी, जिसमें बैलेट-पेपर की जगह इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम से मतदान कराए जाने का प्रावधान है। वकील शर्मा की सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका के मुताबिक प्रावधान को अब तक संसद से मंजूरी नहीं मिली है। लिहाजा, ईवीएम के जरिए कराए गए अब तक के सारे चुनाव अवैध हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि सब जगह बैलेट-पेपर के जरिए फिर से मतदान होना चाहिए। वकील की ओर से याचिका जनवरी में दायर की गई थी, जिसमें उन्होंने 5 राज्यों उत्तर प्रदेश, गोवा, पंजाब, मणिपुर और उत्तराखंड में होने वाले विधानसभा चुनावों में ईवीएम की जगह बैलेट पेपर के इस्तेमाल की मांग की थी। बता दें कि इन पांच राज्यों में 10 फरवरी से 7 मार्च के बीच चुनाव संपन्न हुए थे और 10 मार्च को नतीजे घोषित हुए थे।

गेहूं के दामों में गिरावट

नई दिल्ली । सरकार द्वारा गेहूं और गेहूं से बने उत्पाद के निर्यात पर रोक लगा दी है। गेहूं के रेट बढ़ने पर आयात की मंजूरी देने की खबर से, मंडियों में गेहूं के दाम में 100 रुपए प्रति क्विंटल तक की गिरावट देखने को मिल रही है। इस साल खुले बाजार में यूक्रेन संकट के पहले जो गेहूं 2100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बिक रहा था।यूक्रेन संकट के बाद वह 2500 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया था। केंद्र सरकार द्वारा गेहूं एवं आटा मैदा सूजी इत्यादि उत्पाद के निर्यात पर रोक लगाने से बाजार में गेहूं के दाम 2400 रुपये प्रति क्विंटल के नीचे आ गए हैं। बारिश के कारण बाजार में मांग नहीं होने के कारण भी गेहूं के दामों में गिरावट देखने को मिल रही है।

'अमृत महोत्सव सप्ताह' के कार्यक्रमों में भाग लेने अमेठी जाएंगी स्मृति ईरानी

अमेठी । उत्तर प्रदेश के अमेठी में आजादी की 75वीं वर्षगांठ में आयोजित अमृत महोत्सव सप्ताह समारोह के रूप में मनाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री व अमेठी सांसद स्मृति ईरानी आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर अपने संसदीय क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगी। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी 13 अगस्त को अमेठी जाने वाली हैं। एक दिवसीय दौरे पर अमेठी जा रही केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अपने गोद लिए गांव सुजानपुर में अमृत सरोवर का लोकार्पण करने के बाद जिला मुख्यालय स्थित एक विद्यालय में जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगी। जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिला अधिकारी राकेश कुमार मिश्र की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कार्यक्रम का रोस्टर जारी किया गया। रोस्टर के अनुसार, आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम में 13 अगस्त को बाल विकास एवं पुष्टहार व अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भी शामिल होंगी। गौरीगंज के मनीषी महिला महाविद्यालय में लोकगायन अशोक त्रिपाठी तो वहीं संतोष उपाध्याय और जादू शो कार्यक्रम राजेश श्रीवास्ताव प्रस्तुत करेंगे। दोनों दिन कार्यक्रम की जिम्मेदारी डीपीआरओ अमेठी श्रीकांत यादव को दिया गया। वहीं 13 अगस्त को गौरीगंज के सुजानपुर में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अमृत सरोवर का लोकार्पण करते हुए ध्वजारोहण करेंगी। इस अवसर पर 75 बाइक की रैली व सभी ग्राम पंचायतों में व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान स्मृति ईरानी रैली में स्कूटी चलाती दिख सकती हैं। इसी दिन दोपहर बाद गौरीगंज स्थित विद्यालय परिसर में स्मृति जनप्रतिनिधियों के साथ हर घर तिरंगा कार्यक्रम की बैठक करेंगी। 14 अगस्त को मनीषी महिला महाविद्यालय में देशभक्ति गायन मानविका प्रस्तुत करेंगी तो कादूनाला पर 75 मीटर लंबा झंडा फहराया जाएगा। 15 अगस्त को भी मनीषी महिला महाविद्यालय में लोकगायन व नृत्य कार्यक्रम की प्रस्तुति नीलम सिंह की ओर से की जाएगी। इसके अतिरिक्त अभियान में ग्राम पंचायतों के साथ विभागों व स्कूलों में विविध कार्यक्रम होंगे। जिला प्रशासन की ओर से सभी कार्यक्रम को बेहतर ढ़ंग से प्रस्तुत करने के साथ महोत्सव को सफल बनाने की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा

1 करोड़ बच्चों ने देशभक्ति गीत गाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया, विश्व रिकॉर्ड का प्रोविजन सर्टिफिकेट मुख्यमंत्री को सौंपा

जयपुर । (एजेंसी)

देशभर में चलाये जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की उपस्थिति में आज एसएमएस स्टेडियम में पूरे राज्य में एक करोड़ बच्चों ने एक साथ देशभक्ति गीत गाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया। विश्व रिकॉर्ड का प्रोविजनल सर्टिफिकेट मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड के उपाध्यक्ष प्रथम भल्ला ने सौंपा जिससे मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों व समस्त प्रदेशवासियों को समर्पित किया।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिक्षा विभाग को बधाई देते हुए कहा कि 1 करोड़ से अधिक बच्चों द्वारा देशभक्ति गीतों के सामूहिक गायन से प्रदेश में एक नया वातावरण तैयार होगा। इन तरानों में संविधान की रक्षा, आपसी भाईचारे व देश की आजादी में दिए गए बलिदानों सहित तमान भावनाएं समाहित है। आज भारत में तीन चौथाई आबादी नौजवानों की है। नई पीढ़ी को इन गीतों के माध्यम से इन भावनाओं को आत्मसात करने का मौका मिलेगा। इससे प्रदेश के युवाओ में देश की आजादी के लिए महात्मा गांधी के सान्निध्य में पं. जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे नेताओं द्वारा किए गए स्वतंत्रता आंदोलनों, भगतसिंह, चन्द्रशेखर आजाद, खुदीराम बोस जैसे नौजवानों द्वारा दिए गए बलिदानों के प्रति श्रद्धा, डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा रचित संविधान की रक्षा व साम्प्रदायिक सौहार्द की भावना मजबूत होगी। श्री गहलोत ने कहा कि सबसे पहले पं. जवाहर लाल नेहरू द्वारा 31 दिसंबर, 1929 में देश का राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा हमारा कर्तव्य है कि आजादी की 75वीं वर्षगाठ पर घर पर तिरंगा फहराकर अपने राष्ट्रभक्ति के संकल्प को मजबूत करें। हम सब अपने घरों पर तिरंगा फहराकर दुनिया को एक संदेश दें कि हिंदुस्तान में राष्ट्रभक्ति का एक अनूठा जज्बा है। मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि गत 75 वर्षों में देश ने अभूतपूर्व तरक्की की है। जहां आजादी के समय देश में सुई का भी उत्पादन नहीं हो रहा था वहां आज विश्वभर में भारतीय उत्पादों का निर्यात हो रहा है। आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे संस्थानों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के कारण पूरे विश्व में जाना जाता है। पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से लेकर विज्ञान और तकनीकी शिक्षा में देश ने शानदार तरक्की की है। बड़े-बड़े बांधों के निर्माण से किसानों को सिंचाई जल मिला है और उनका जीवन स्तर सुधरा है। पड़ोसी देशों के विपरीत गत 75 वर्षों में देश में लोकतंत्र की जड़ें लगातार गहरी हुई है। पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्राणों का बलिदान देकर विघटनकारी शक्तियों से देश की अखण्डता की रक्षा की। आजादी के 75वें वर्ष में राजस्थान शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में

मॉडल स्टेट बनकर उभरा है। महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों से गरीब विद्यार्थियों को निःशुल्क अंग्रेजी शिक्षा दी जा रही है। वहीं चिरंजीवी योजना से आम जनता को मंहगे से मंहगा इलाज निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। अशोक गहलोत ने कहा कि शांति व भाईचारे के माहौल में ही प्रदेश का समुचित विकास संभव है। नेहरू, गांधी, पटेल व मौलाना आजाद जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के नेतृत्व में देश ने अंग्रेजों से लडक़र स्वतंत्रता हासिल की है। एकजुटता, शान्ति, पारदर्शिता व विकासशीलता से ही देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को आपसी प्रेम तथा भाईचारे को मजबूत करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शांति व भाईचारे के अभाव में विकास ठप हो जाता है। उन्होंने कहा कि देश में सभी जाति, धर्म व अलग-अलग भाषाएं बोलने वाले लोग एकजुट रहें तथा देश के तिरंगे झण्डे को मान-सम्मान के साथ फहराएं।

डाक विभाग ने बांटे 1 करोड़ से ज्यादा राष्ट्रीय ध्वज

नई दिल्ली । डाक विभाग ने देश भर में फैले अपने 1।5 लाख डाकघरों के जरिए 10 दिनों में एक करोड़ से ज्यादा राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री की है। डाक विभाग 25 रुपये में एक राष्ट्रीय ध्वज बेच रहा है। विभाग ने ऑनलाइन बिक्री के लिए पूरे देश में किसी भी पते पर राष्ट्रीय ध्वज को निःशुल्क पहुंचाने की सुविधा प्रदान की है। अब तक नागरिकों ने ई-पोस्ट ऑफिस सुविधा के माध्यम से 1।75 लाख से अधिक राष्ट्रीय ध्वज की ऑनलाइन खरीदारी की है। बयान में कहा गया है कि डाक विभाग अपने 1।5 लाख डाकघरों के नेटवर्क के साथ देश के हर एक नागरिक के लिए 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम को कार्यान्वित कर रहा है। भारतीय डाक ने 10 दिनों की छोटी अवधि के भीतर डाकघरों के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यम से एक करोड़ से अधिक राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री की है। बयान में कहा गया है कि पूरे देश के 4।2 लाख डाक कर्मचारियों ने शहरों, कस्बों व गांवों में, सीमावर्ती क्षेत्रों में, वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों और पहाड़ी व जनजातीय क्षेत्रों में ÷हर घर तिरंगा÷ के संदेश का प्रचार किया है। इसके साथ ही भारतीय डाक ने प्रभात फेरी, बाइक रैली व चौपाल सभाओं के माध्यम से समाज के हर वर्ग में 'हर घर तिरंगा' का संदेश पहुंचाया है। इसके अलावा डिजिटल रूप से जुड़े नागरिकों के बीच कार्यक्रम के संदेश को प्रचारित करने के लिए ट्विटर और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया मंच का भी व्यापक रूप से उपयोग किया गया है।

राजौरी में सेना के शिविर पर हमले में चार जवान शहीद, दो आत्मघाती आतंकी मारे गए

-बांदीपोरा में आतंकियों ने बिहार के युवक को गोली मारी, स्वतंत्रता दिवस से पहले कश्मीर में बढ़े आतंकी हमले

जम्मू । (एजेंसी)

स्वतंत्रता दिवस से पहले जम्मू-कश्मीर में प्रवासी मजदूर की हत्या और फिदायीन हमले के जरिए आतंकवादियों ने एक बार फिर चुनौती पेश की है। सुरक्षा बलों ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया है। कश्मीर के विभिन्न इलाकों में सर्च ऑपरेशन भी जारी है और चप्पे-चप्पे पर कड़ी सुरक्षा बरती जा रही है। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में गुरुवार तड़के आतंकवादियों ने सेना के एक शिविर पर एक आत्मघाती हमला कर दिया, जिसमें चार जवान शहीद हो गए। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी भी मारे गए हैं। यह हमला लगभग तीन साल के अंतराल के बाद जम्मू-कश्मीर में 'फिदायीन' (आत्मघाती हमलावरों) की वापसी का संकेत है। पुलिस ने बताया कि दोनों आतंकवादियों के बारे में ऐसा माना जा रहा है कि वे पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से सम्बद्ध थे। पुलिस ने बताया कि आतंकवादी घातक 'स्टील कोर' गोलियों से लैस थे और चार घंटे से अधिक समय तक चली मुठभेड़ में दोनों आतंकवादी मारे गये।

पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने बताया कि हमला करने वाले दोनों 'फिदायीन' संभवतः आतंकी गुट जैश-ए-मोहम्मद के थे। दिलबाग सिंह के अनुसार, दोनों ने शिविर में घुसने का प्रयास किया, लेकिन वे मारे गए। गोलीबारी में सेना के चार जवान शहीद हो गये। वहीं जम्मू में सेना के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने बताया, गुरुवार तड़के, राजौरी जिले के पारगल में सेना की चौकी पर तैनात संतरियों ने संदिग्ध व्यक्तियों को खराब मौसम का फायदा उठाकर चौकी के पास आते देखा।

उन्होंने कहा कि संतरियों ने उन दो आतंकवादियों को चुनौती दी जिन्होंने चौकी के अंदर प्रवेश करने का प्रयास करते हुए ग्रेनेड फेंके। उन्होंने बताया कि हालांकि, सतर्क सैनिकों ने क्षेत्र को घेर लिया। गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गये और इस अभियान में भारतीय सेना के छह सैनिक घायल हो गए, जिनमें से चार जवान बाद में शहीद हो गये।

राज्यों में फ्री सौगातों के चलते पर 60 लाख करोड़ रुपये की देनदारी

मुफ्त सुविधाएं बनी बड़ा खतरा

नई दिल्ली ।

फ्री सौगातें और चुनावी वादों का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई एक जनहित याचिका में गुरुवार को कहा गया कि 31 मार्च, 2021 को राज्यों पर 59,89,360 करोड़ रुपये की देनदारी थी। साथ ही गैर-जरूरी मुफ्त सुविधाओं पर बढ़ता खर्च एक नया खतरा बन गया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र पर क्रमशः 6,62,891 करोड़ रुपये और 5,36,891 करोड़ रुपये की देनदारी हैं और वे इस संबंध में शीर्ष पर हैं। वहीं पंजाब ऋण एवं सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) अनुपात में सबसे ऊपर है। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय की दायर लिखित दलील में दावा किया गया है कि 2,49,187 करोड़ रुपये की देनदारी के साथ पंजाब में चालू वित्त वर्ष में ऋण एवं जीएसडीपी अनुपात सबसे खराब 53-3 है। सर्वोच्च न्यायालय में दायर इस याचिका में चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के जरिए मुफ्त सौगातों का वादा करने के चलन का विरोध करने के साथ ही निर्वाचन आयोग से ऐसे राजनीतिक दलों के चुनाव चिह्नों पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है। साथ ही उनका पंजीकरण रद्द करने के लिए अपनी शक्तियों का उपयोग करने की अपील की गई है। पीठ ने केंद्र, नीति आयोग और वित्त आयोग जैसे पक्षों के विचार मांगे हैं और उनसे मुफ्त सुविधाओं के मुद्दे पर विचार करने को कहा है। न्यायालय ने संकेत दिया था कि वह इस मुद्दे से निपटने के लिए सरकार को उपाय सुझाने की खातिर एक प्रणाली स्थापित करने का आदेश दे सकता है। उपाध्याय ने वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया और वकील अश्विनी कुमार दुबे के जरिए सुझावों के साथ लिखित दलील दी है। दलीलों में भारतीय रिजर्व बैंक के जरिए प्रकाशित एक रिपोर्ट का भी हवाला दिया गया है।

लाल सिंह चड्ढा के बॉक्स आफिस पर नहीं फहरा पाई सफलता के झंडे

-भाजपा सांसद निशिकांत दुबे कराना चाहते हैं आमिर की एनआईए जांच

रांची ।(एजेंसी)

बॉलिवुड में परफेक्शनिस्ट कहलाने वाले अभिनेता आमिर खान की हालिया रिलीज फिल्म लाल सिंह चड्ढा को लेकर बॉयकॉट अभियान के बीच ओपनिंग अच्छी रही है। बॉयकॉट की अपील करने वाले अब अपनी 'सफलता' पर खुशी जाहिर कर रहे हैं। इनमें भाजपा सांसद निशिकांत दुबे भी शामिल हैं। झारखंड में गोड्डा से सांसद निशिकांत दुबे ने कहा है कि राष्ट्रभक्तों ने दिखाया है कि देश में अब झूठ-फरेब नहीं चलेगा। उन्होंने आमिर खान पर दुनिया को गुमराह करने का भी आरोप लगाया। दुबे ने आमिर खान की फिल्मों के चीन में अच्छे कारोबार को लेकर एनआईए, ईडी और इनकम टैक्स से जांच की मांग की है। निशिकांत दुबे ने ट्वीट किया, ''भारत के नागरिक होकर भी डरने की बात पर दुनिया को गुमराह करने वाले आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा को बॉयकॉट कर राष्ट्र भक्तों ने यह दिखाया कि झूठ व फरेब अब नहीं चलेगा। देश मजबूती से मजबूत नेतृत्व नरेंद्र मोदी के साथ विश्व को रास्ता दिखा रहा है।'' एक अन्य ट्वीट में उन्होंने आमिर खान के फिल्मों के भारत और चीन में कारोबार में अंतर बताकर सवाल उठाए और जांच की मांग की। दुबे ने कहा, ''आमिर खान की फिल्म सीक्रेट सुपर स्टार भारत में 60 करोड़ कमाती है लेकिन चीन में 900 करोड़ कमाती है, जबकि उसी समय बाहुबली फिल्म भारत में 1600 करोड़ कमाती है लेकिन चीन में मात्र 80 करोड़। एनआईए, ईडी को आमिर खान के मनी लॉन्ड्रिंग की जांच करनी चाहिए।'' उन्होंने ट्वीट के साथ इनकम टैक्स को भी टैग किया है। आमिर की फिल्म को लेकर बीजेपी कांग्रेस में भी आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल पड़ा है। कांग्रेस नेता दग्विजिय सिंह ने लाल सिंह चड्ढा के बॉयकॉट को लेकर कहा कि इसके पीछ 'मोदीशाह ट्रोल आर्मी' है, जो किसी रोबोट की तरह काम करती है। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि ट्विटर पर 'बॉयकॉट लाल सिंह चड्ढा' ट्रेंड कर रहा है। इस सब के पीछे 'मोदीशाह ट्रोल आर्मी' के अलावा और कौन हो सकता है।

ये सब अलोकतांत्रिक और तानाशाही प्रवृत्ति के हैं, जो किसी रोबोट की तरह काम करते हैं। उन्होंने कहा कि दर्शकों को लाल सिंह चड्ढा और रक्षाबंधन दोनों फिल्में देखनी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में भारी बारिश ने मचाई तबाही

चार लोगों की मौत, कई जगह भूस्खलन

नई दिल्ली । (एजेंसी)

देश के कई राज्यों में लगातार हो रही वर्षा की वजह से कई स्थानों पर स्थिति गंभीर हो गई है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में गुरुवार को बादल फटने से काफी नुकसान हुआ है और दो लोगों की मौत हो गई है। हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन की चपेट में आकर दो लोगों की मौत होने का समाचार है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि महाराष्ट्र में अभी 4-5 दिन तक बारिश का दौर जारी रहेगा। जबकि, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और बिहार में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। उत्तराखंड में तेज बारिश के चलते ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, ओडिशा, छत्तीसगढ़, विदर्भ, गुजरात, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र और तेलंगाना में भारी बारिश का अनुमान है। स्काईमेट वेदर के मुताबिक मानसून ट्रफ (कम दबाव वाला क्षेत्र) कुछ समय के लिए उत्तरी हिस्सों की ओर बढ़ेगा और शनिवार से दिल्ली तथा अन्य क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान केवल मामूली राहत मिलने की उम्मीद है। कम दबाव वाले क्षेत्र के पूरे उत्तर प्रदेश में उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। इससे दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार में बारिश को एक नया दौर शुरू हो सकता है। स्काईमेट वेदर के मुताबिक, शुक्रवार को मध्य प्रदेश, दक्षिणपूर्व राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ और कोंकण और गोवा में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। ओडिशा, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक या दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। भारत मौसम विभाग ने ओडिशा, छत्तीसगढ़, गुजरात, गोवा, मध्य महाराष्ट्र और तेलंगाना में भारी बारिश का अनुमान ठयके त किया है। साथ ही उत्तराखंड में तेज बारिश के मद्देनजर ऑरेंज अलर्ट विभाग की ओर से जारी किया गया है। मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, झारखंड के हिस्से, गंगीय पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ के शेष हिस्से, तेलंगाना, तटीय कर्नाटक, पश्चिमी राजस्थान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में

हल्की से मध्यम बारिश संभव है। उत्तराखंड, लद्दाख, शेष उत्तर पूर्व भारत, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, मध्य महाराष्ट्र, केरल, लक्षद्वीप और तटीय आंध्र प्रदेश में हल्की बारिश संभव है। देश के मध्य हिस्सों में अगले दो दिनों तक एक्टिव मॉनसून की स्थिति जारी रहने की संभावना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के इलाकों में 13 से 14 अगस्त के बीच और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 14 अगस्त को तेज बारिश का अलर्ट है। मानसून फिलहाल कुछ दिन के लिए यूपी से रूठा हुआ है। मानसूनी हवाएं मध्य प्रदेश और राजस्थान के आसपास केन्द्रित हैं। ऐसे में इन राज्यों से सटे हुए जिलों को तो बारिश की राहत मिल सकती है।

देश का मूड मोदी के पक्ष में, पीएम पद के लिए अब भी 53फीसदी लोगों की पसंद : सर्वे

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के लोगों की पहली पसंद बने हुए है बेरोजगारी, महंगाई जैसे मुद्दों के बावजूद भी देश का मूड उनके साथ है। देश के प्रधानमंत्री के चेहरे के लिए हुए सर्वे में एक बार फिर से नरेंद्र मोदी सबसे बड़ी पसंद हैं। 53 फीसदी लोग एक बार फिर से पीएम नरेंद्र मोदी को ही देश का पीएम बनते देखना चाहते हैं। एख सर्वे में यह बात सामने आई है। सर्वे में 53 फीसदी लोगों ने पीएम मोदी को अपनी पसंद बताया तो कांग्रेस के राहुल गांधी को 9 फीसदी लोग ही पीएम देखना चाहते हैं। तीसरे नंबर पर अरविंद केजरीवाल हैं, जिन्हें 7 पर्सेंट लोगों ने अपनी पसंद बताया है। सर्वे के नतीजों से साफ है कि नरेंद्र मोदी का जादू अब भी देश पर कायम है और वह 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को बहुमत के आंकड़ों तक ले जाने में सक्षम हैं। यही नहीं सर्वे में शामिल 25 फीसदी लोगों ने माना है कि केंद्र सरकार की बड़ी उपलब्धि है कि उसने कोरोना का अच्छे से मैनेजमेंट किया। इसके अलावा 14 फीसदी लोगों ने आर्टिकल 370 के खात्मे को एनडीए सरकार की उपलब्धि माना है। 8 फीसदी लोग ऐसे हैं, जो विश्वनाथ कॉरिडोर और राम मंदिर को भी मोदी सरकार की उपलब्धि माना है। इसी सर्वे में यह बात भी सामने आई है कि यदि आज ही लोकसभा के चुनाव हों तो किसकी सरकार बनेगी। सर्वे के मुताबिक आज चुनाव होने की स्थिति में भी मोदी सरकार ही बनेगी। देश भर में 41.4 फीसदी वोट एनडीए को मिल सकते हैं। इसके अलावा 28.1 फीसदी वोट यूपीए के खाते में जा सकते हैं। वहीं अन्य के खाते में यूपीए से थोड़ा अधिक 30.6 फीसदी वोट जा सकते हैं।

सीटों के आंकड़े की बात करें तो 1 अगस्त, 2022 को किए गए सर्वे के मुताबिक एनडीए को 307 सीटें मिल सकती हैं। इसके अलावा यूपीए को 125 और अन्य को 111 मत मिल सकते हैं।

हालांकि बिहार में हुए बड़े बदलाव के बाद भाजपा और एनडीए का ग्राफ थोड़ा गिरा है। मूड ऑफ द नेशन सर्वे के मुताबिक एनडीए को मौजूदा स्थिति में 286 सीटें मिल सकती हैं। यानी बिहार में नीतीश के पालाबदल से उसे 21 सीटों का नुकसान हो सकता है। इसके अलावा यूपीए के खाते में 146 सीटें जा सकती हैं। इसके अलावा अन्य दलों के खाते में 111 सीटें जा सकती हैं। साफ है कि गैर-भाजपा और गैर-कांग्रेस दलों के खाते में भी इस बार के लोकसभा चुनाव में अच्छी खासी सीटें जा सकती हैं। सर्वे में शामिल 40 फीसदी लोगों ने विपक्ष के तौर पर कांग्रेस के काम को अच्छा माना है, जबकि 34 फीसदी लोग कहते हैं कि उसका प्रदर्शन खराब रहा है। यही नहीं कांग्रेस के सुधार को लेकर भी लोगों ने अपनी राय जाहिर की है। 23 फीसदी लोग मानते हैं कि कांग्रेस को राहुल गांधी ही सुधार सकते हैं।

इसके अलावा 16 फीसदी लोग इस भूमिका के लिए मनमोहन सिंह पर भरोसा जता रहे हैं। 14 फीसदी लोग ऐसे हैं, जो मानते हैं कि राजस्थान के सीनियर नेता सचिन पायलट कांग्रेस की स्थिति बेहतर कर सकते हैं। वहीं 9 फीसदी लोग ही मानते हैं कि प्रियंका गांधी की लीडरशिप में कांग्रेस में सुधार हो सकता है।

सीएम बन पहली बार अपने पैतृक गांव पहुंचे शिंदे, कहा विभागों को बंढ़वारा जल्द होगा

पुणे ।

अपनी पार्टी से बगावत कर मुख्यमंत्री बन एकनाथ शिंदे ने पहली बार सतारा जिले के अपने गांव डेयर पहुंचे। इस दौरान गांव के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। शिंदे ने कहा कि बतौर मुख्यमंत्री मैं पहली बार अपने पैतृक गांव आया हूं। गांव के लोगों द्वारा मुझ पर बरसाए गए स्नेह से अभिभूत हूं। पश्चिमी महाराष्ट्र क्षेत्र में पर्यटन की संभावनाओं पर बात कर उन्होंने कहा कि पश्चिमी महाराष्ट्र क्षेत्र में पर्यटन की बड़ी संभावनाएं हैं और राज्य सरकार इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाएगी। विभागों के आवंटन के बारे में पूछने पर शिंदे ने कहा कि विभागों का आवंटन जल्द होगा। उन्होंने कहा कि पहले प्रश्न पूछा जाता था कि कैबिनेट विस्तार कब होगा। अब पूछ रहे हैं कि विभागों का आवंटन कब होगा। जैसे कैबिनेट विस्तार हुआ, विभागों का आवंटन भी जल्द होगा। मालूम हो कि महाराष्ट्र में लंबे समय से शिंदे कैबिनेट के विस्तार का इंतजार था। बीते मंगलवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के 41 दिन बाद शिंदे ने अपने दो सदस्यीय मंत्रिमंडल का विस्तार किया। मंत्रिमंडल में शिवसेना के बागी गुट और भारतीय जनता पार्टी के नौ-नौ सदस्यों को जगह मिली हैं। गौरतलब है कि मंत्रिमंडल में किसी भी महिला नेता को शामिल नहीं किया गया है। शिंदे सरकार को इस कारण नेताओं और महिला अधिकार कार्यकर्ताओं की आलोचना झेलनी पड़ रही है। राज्य में भाजपा की 12 महिला विधायक हैं। शिंदे गुट में दो महिला विधायक हैं, साथ ही उन्हें एक निर्दलीय महिला विधायक का समर्थन भी हासिल है। वर्तमान में महाराष्ट्र में कुल 28 महिला विधायक हैं। मंत्रिमंडल में किसी भी महिला को शामिल नहीं किए जाने पर हो रही आलोचना के बाद डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने आश्वासन दिया था कि राज्य मंत्रिमंडल में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार में शिवसेना के वरिष्ठ मंत्री रहे एकनाथ शिंदे ने जून में पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के खिलाफ विद्रोह कर दिया था और पार्टी को विभाजित करके ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार को गिरा दिया था।

बिहार में अब गर्भाशय घोटाला चर्चाओं में

पटना ।

बिहार में राष्ट्रीय बीमा योजना के तहत बड़े पैमाने पर हुए गर्भाशय घोटाले की जांच अब सीबीआई करेगी। गुरुवार को हाईकोर्ट ने मामले को सुनवाई के लिए याचिका को स्वीकार कर लिया है। 18 अगस्त को हाईकोर्ट इस मामले में अपना फैसला देगी। याचिकाकर्ता वेंट्स फोरम के राष्ट्रीय महासचिव डॉक्टर बीएनपी सिंह ने हाईकोर्ट में सीबीआई से जांच कराने की याचिका दायर की थी। 7 साल के बाद इस मामले की सुनवाई हुई। उल्लेखनीय है 2011 में केंद्र की राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत बीपीएल परिवारों के लिए 30000 रुपये के इलाज की सुविधा दी गई थी। बिहार में 350 अस्पतालों को इसके लिए सूचीबद्ध किया गया था। इन अस्पतालों में 46690 महिलाओं के गर्भाशय के ऑपरेशन कर योजना के तहत राशि निकाल ली गई थी। जबकि जिन महिलाओं के गर्भाशय निकाले गए थे। उन्हें ऐसी कोई बीमारी नहीं थी। इस मामले की जांच में केवल 19179 मामलों की जांच की गई। जांच में 703 महिलाओं के गर्भाशय निकालने की जरूरत ही नहीं थी। उनके भी गर्भाशय का ऑपरेशन कर दिया गया। जांच अभी तक पेंडिंग है। बिहार के 45 अस्पताल के 13 डॉक्टरों ने मिलकर इस योजनाओं में भारी घपले घोटाले किए थे। अब इस मामले की जांच हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई करेगी। 7 साल पुराना घोटाला अब एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है।

महिला शक्ति सेवा संस्थान के महिला पदाधिकारियों ने पुलिस कर्मियों को बाधी राखियाँ

रिपोर्ट आकाश मिश्रा सूरत भूमि जौनपुर। जौनपुर के मछलीशहर तहसील व थाना परिसर में महिला शक्ति सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने मौके पर उपस्थित थानाध्यक्ष देवानंद रजक, चौकी इंचार्ज सकलदीप सिंह, उपनिरीक्षक सहित पुलिसकर्मियों को राखी बांधी गई द्य जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष एसपी उपाध्याय, महिला ब्लॉक अध्यक्ष लक्ष्मी तिवारी,उपाध्यक्ष जय प्रकाश गिरी, ब्लॉक युवा अध्यक्ष आनंद कुमार, ब्लॉक संपर्क प्रमुख सुधीर सिंह, शशि पाण्डेय,सुनील उपाध्याय, रेखा पाल,उषा देवी, गीता यादव सहित कई सम्मानित पदाधिकारी भी मौजूद रहे ।

देशभक्ति दिल से आनी चाहिए, सिर्फ सोशल मीडिया पर फोटो लगाकर नहीं : स्वतंत्रता सेनानी

झांसी ।

देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। सभी देशवासी अपने स्वतंत्रता सेनानियों को याद कर रहे हैं, लेकिन सौभाग्य से आज भी कुछ स्वतंत्रता सेनानी हमारे बीच हैं। उन्होंने देश को आजाद होते हुए देखा है। देश की 75 साल की गौरवशाली यात्रा के गवाह बने हैं. भारत को विकास के पथ पर बढ़ते हुए देखा है। इसतरह के झांसी के एक स्वतंत्रता सेनानी सत्यदेव तिवारी हैं। 1928 में जन्मे सत्यदेव उन चुनिंदा स्वतंत्रता सेनानियों में से हैं जो आज भी जीवित हैं। झांसी शहर में अकेले स्वतंत्रता सेनानी हैं, जिन्हें शासन की तरफ से पेंशन दी जा रही है। तिवारी ने बताया कि उनके परिवार की तीन पीढियां स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा रही हैं। उनके दादा और पिता भी स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों से लड़े थे और कुर्बानी दी थी। अपने माता पिता को देश की आजादी के लिए लड़ते देख वह भी संग्राम में कूद पड़े। सत्यदेव तिवारी ने कहा कि आजादी मिलने का सबसे बड़े कारण सत्याग्रह और अहिंसा थी।

उन्होंने कहा कि हिंसा और बंदूक के आधार पर जितने भी देश आजाद हुए आज उनकी हालत हम सब जानते हैं। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने भी बंदूक के दम पर आजादी लानी चाही, लेकिन वे सिर्फ बर्मा तक ही पहुंच पाए थे।

तिवारी ने बताया कि 15 अगस्त 1947 को वह अपने साथियों के साथ झांसी किले पर गए और ध्वज लहराया। वे 2017 तक हर साल किले पर जाकर ध्वजवंदन कार्यक्रम में हिस्सा लेते थे, लेकिन कुछ सालों से स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण वह इस कार्यक्रम में नहीं जा पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, लेकिन युवाओं में उत्साह और उल्लास नहीं दिखाई देता। उन्होंने कहा कि देशभक्ति की भावना दिल से आनी चाहिए, सिर्फ सोशल मीडिया पर फोटो लगाकर नहीं।

बिहार कैबिनेट विस्तार पर लगेगी सोनिया की मुहर, मुलाकात करने दिल्ली पहुंचे तेजस्वी यादव

नई दिल्ली ।

बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव कैबिनेट विस्तार से पहले दिल्ली पहुंचे हैं। खबर है कि वह शुक्रवार को कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करने वाले हैं। खास बात है कि बिहार में सियासी उठापटक में कांग्रेस प्रमुख की भूमिका को लेकर भी खासी चर्चा हो रही है। इसके अलावा कांग्रेस नेता भी बिहार मंत्री परिषद में जगह के लिए दिल्ली का रुख कर रहे हैं।

तेजस्वी शाम 5-5.30 बजे सोनिया के आवास 10 जनपथ पर मुलाकात कर सकते हैं। फिलहाल, यह साफ नहीं है कि दोनों नेताओं के बीच कैबिनेट में कांग्रेस की मौजूदगी को लेकर भी चर्चा हो सकती है। कहा जा रहा है कि राजद नेता अपने साथ नामों की सूची भी लेकर पहुंचे हैं। फिलहाल, पार्टियों की तरफ से भी मुलाकात के एजेंडा को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। खबरें थीं कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एनडीए से अलग होने से पहले कांग्रेस चीफ से बात की थी। बिहार कांग्रेस के सूत्रों के हवाले से कहा गया था कि राज्य में सियासी फेरबदल की पटकथा एक कॉल के जरिए लिखी गई थी।

कुमार ने सोनिया से बात की थी। उस दौरान वह कोरोना संक्रमण का सामना कर रही थीं। बातचीत के दौरान नीतिश ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया से स्वास्थ्य के अलावा भाजपा को लेकर भी बात की थी। उन्होंने सियासी दबाव का भी जिक्र किया था। उन्होंने चर्चा के दौरान बताया था कि बीजेपी उनकी पार्टी को तोड़ने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, बिहार में बदलाव के बाद भी कुमार ने कांग्रेस नेताओं से बात की थी। सूत्रों ने बताया, नीतीश कुमार ने महागठबंधन का समर्थन करने और बिहार में सरकार बनाने के लिए कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी का आभार जताया था।

आर्थिक संकट से जूझ रही पंजाब सरकार ने केंद्र से मांगा 1 लाख करोड़ का पैकेज

चंडीगढ़ ।

बड़े पैमाने पर कर्ज और सब्सिडी के बोझ के चलते पंजाब सरकार का संकट गहराता ही जा रहा है। आर्थिक संकट का सामना कर रही पंजाब की सरकार ने केंद्र से 1 लाख करोड़ रुपये का पैकेज जारी करने की मांग की है। पंजाब के सीएम भगवंत मान की ओर से केंद्र सरकार से पैकेज की मांग की गई है, जिन्होंने हाल ही में हर घर को 300 यूनिट मुफ्त बिजली प्रति महीने देने का ऐलान किया है। इसके अलावा भी कई योजनाओं की घोषणा हुई है। भगवंत मान ने ऐसे वक्त में यह मांग की है, जब राज्य सरकार 9,000 करोड़ का सब्सिडी बिल अदा नहीं कर सकी है। सरकारी विभागों पर भी 2,600 करोड़ रुपये का एरियर बकाया है। ऐसे में इस बात पर भी सवाल उठ रहे हैं कि आखिर गहरे आर्थिक संकट के बीच सब्सिडी की योजनाओं कितनी जरूरी हैं।

हाल ही में रिजर्व बैंक की ओर से की गई एक स्टडी में बताया गया था कि पंजाब देश के उन 5 राज्यों में शामिल हैं, जहां आर्थिक संकट गहरा है। यही नहीं इस स्टडी में चेताया गया है कि यदि मुफ्त सुविधाओं वाली स्कीमें आगे जारी रहीं तो यह संकट भी गहरा सकता है। भगवंत मान ने पंजाब के सीएम की शपथ लेने के बाद ही 25 मार्च को दिल्ली आकर पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। उन्होंने इस दौरान पीएम से 1 लाख करोड़ रुपये के पैकेज की मांग की थी और कहा था कि ऐसा होने पर ही पंजाब की अर्थव्यवस्था पटरी पर आ सकेगी। हाल ही में नीति आयोग की बैठक में एक बार फिर से भगवंत मान ने इस मुद्दे को उठाया है। उन्होंने कहा कि राज्य में फूड प्रोसेसिंग और कैनाल सिस्टम को मजबूत करने के लिए स्पेशल पैकेज होना चाहिए। मीटिंग के बाद भगवंत मान ने कहा था, पंजाब सरकार को कर्ज से मुक्त करने के लिए मैंने मांग की है कि दो सालों तक हर वर्ष 50,000 करोड़ रुपये का पैकेज दिया जाए। यह मांग मेरे भाषण में शामिल थी। पहले भी मैंने यह मांग की थी। पंजाब पर 3 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। यही नहीं पंजाब का कुल राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के मुकाबले 42.5 फीसदी से बढ़कर 46.8 प्रतिशत हो गया है। आरबीआई की रिपोर्ट में इस पर गहरी चिंता जताई गई है।

कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव गंभीर, ब्रेन हुआ डैमेज, 2 दिन से नहीं आए होश में

नई दिल्ली ।

स्टैंडअप कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव की हालत काफी नाजुक बनी हुई है, हार्ट अटैक आने के बाद से ही बेहोश हैं और वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। उनकी हालत में न तो सुधार हुआ है और न ही बिगड़ी है। हालांकि उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और हार्ट अटैक के बाद भी उनका ब्रेन डैमेज हो गया है। डॉक्टर्स की टीम उनके स्वास्थ्य पर निगरानी बनाए हुए रखी हुई है। राजू 2 दिन से बेहोश हैं। उनकी बेटी अंतरा श्रीवास्तव और उनके दोस्त सुनील पाल ने कुछ घंटे पहले राजू श्रीवास्तव का हेल्थ अपडेट जारी किया था और साथ ही उनके फैंस से उनके लिए प्रार्थना करने की अपील की थी।

बता दें, राजू श्रीवास्तव को 9 अगस्त को दिल का दौरा पड़ा था और उन्हें दिल्ली के एम्स अस्पताल ले जाया गया। बाद में, श्रीवास्तव की टीम ने पुष्टि की कि वर्कआउट के दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। टीम ने बयान में कहा था, 'वह लगभग 11-11:30 बजे ट्रेडमिल पर एक्सरसाइज कर रहे थे जब वह अचानक गिर पड़े। वह अब स्थिर हैं।'

टीम ने बयान में कहा था, 'फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं है। डॉक्टर टेस्ट कर रहे हैं, हम जल्द ही और अपडेट शेयर करेंगे।' गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राजू श्रीवास्तव की पत्नी से फोन पर बातचीत की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। बाद में, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कॉमेडियन के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में पूछताछ करने के लिए एम्स निदेशक को फोन किया।

कुछ घंटे पहले राजू श्रीवास्तव के दोस्त और कॉमेडियन सुनील पाल ने एक वीडियो जारी कर बताया कि राजू श्रीवास्तव की हालत नाजुक बनी हुई है और उन्हें लेकर उनके और अन्य लोगों की चिंताएं बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा, 'चिंता का विषय है, चिंता बढ़ती जा रही है। राजू भाई के लिए प्रार्थनाएं कीजिए। पूरे कॉमेडी जगत के लोग उनके लिए प्रार्थनाएं कर रहे हैं।'

दिल्ली पहुंचा राजू का परिवार-

गौरतलब है कि राजू श्रीवास्तव को हार्ट अटैक आने के संबंध में पुष्टि उनके भाई अशोक श्रीवास्तव ने की थी। राजू पिछले 5 दिनों से इरोज होटल में ठहरे हुए थे और वे कल्ट फिट नामक जिम में होटल के बाहर एक्सरसाइज के लिए जाते थे। वहीं पर एक्सरसाइज के दौरान वे गिर गए थे और सीने में तेज दर्द की शिकायत की थी। जिसके बाद जिम में मौजूद लोग उन्हें तत्काल एम्स लेकर आए थे। अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि उनके भाई राजू की पत्नी शिखा श्रीवास्तव भी दिल्ली आ गई हैं, ताकि वह अपने पति के पास रह सकें।

पीएम मोदी ने फोन कर राजू की पत्नी को दिया हर संभव मदद का आश्वासन-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कॉमेडियन और अभिनेता राजू श्रीवास्तव की पत्नी शिखा से फोन पर बातचीत कर उनके पति का हालचाल जाना और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। पीएम मोदी ने राजू के इलाज में हर संभव मदद का भरोसा दिया। गजोधर के नाम से मशहूर राजू श्रीवास्तव भाजपा नेता भी हैं। वह वर्तमान में उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद के अध्यक्ष हैं। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस मुश्किल वक्त में राजू के परिवार की पूरी मदद की जाए। डॉक्टरों के मुताबिक राजू के शरीर का रिस्पॉन्ड करना एक अच्छा संकेत है।

उनका इलाज कर रहे कार्डियोलॉजिस्ट डॉ संदीप के मुताबिक 48 घंटे में पहली बार उन्होंने खुद से अपने पैर मोड़े हैं जो कि एक पॉजिटिव साइन है। हालांकि, राजू श्रीवास्तव का ब्रेन सपोर्ट नहीं करने से अब न्यूरोलॉजी विभाग की टीम भी उनकी देखरेख में लगी है।

संक्षिप्त समाचार

जो योग्य होगा, उसे मंत्रिमंडल में जगह मिलेगी : मुंडे

मुंबई । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता पंकजा मुंडे को एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल के पहले विस्तार में कैबिनेट में स्थान नहीं मिला है। शिंदे मंत्रिमंडल के पहले विस्तार में एक भी महिला को स्थान नहीं दिया गया है। इस पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि शायद इस पद के लायक उनमें योग्यता नहीं हो। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में विस्तार के तहत पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना धड़े के नौ मंत्रियों और भाजपा के नौ नेताओं ने शपथ ग्रहण की है। मंत्रिमंडल विस्तार में किसी महिला को स्थान नहीं दिए जाने के कारण शिंदे की आलोचना हो रही है। इस बारे में पूछे जाने पर पंकजा मुंडे ने कहा शामिल किए जाने के लिए मुझमें शायद पर्याप्त योग्यता नहीं है। उन्होंने कहा उनके अनुसार जो योग्य होगा, उसे मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। इस पर मेरा कोई रुख नहीं है। मैं अपने सम्मान को बनाए रखते हुए राजनीति करने की कोशिश करती हूं।

असुविधा होने पर ममता दीदी उन्हें भी छोड़ देंगी, भाजपा की टीएमसी नेताओं को नसीहत

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के मंत्री पार्थ चटर्जी और अनुब्रत मंडल के खिलाफ जांच एजेंसी की कार्रवाई के बाद भारतीय जनता पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस के नेताओं को नसीहत दी है। भाजपा नेता अमित मालवीय का टीएमसी नेताओं से कहना है कि असुविधा होने पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उन्हें भी छोड़ देंगी। शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में चटर्जी पर प्रवर्तन निदेशालय ने शिकंजा कसा है। वहीं, मंडल की गिरफ्तारी पशु तस्करी के मामले में हुई है। भाजपा ने आरोप लगाए हैं कि सीएम बनर्जी ने चटर्जी और मंडल के फोन ऐसे समय पर उठाने बंद किए हैं, जब उन्हें उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। पार्टी का कहना है कि ऐसा बनर्जी ने इसलिए किया, क्योंकि वे उनके लिए असुविधा खड़ी कर रहे थे। कुछ समय पहले खबरें आई थीं कि सरकार में पूर्व शिक्षा मंत्री रहे चटर्जी ने सीएम से बात करने की कोशिश की थी, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। मालवीय ने ट्वीट किया, ममता बनर्जी ने पार्थ और अनुब्रत के कॉल लेने बंद कर दिए हैं, जब उन्हें सबसे ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने (ममता बनर्जी) को जब असुविधा हुई, तो उन्हें छोड़ दिया। अन्य उन मंत्रियों, टीएमसी कार्यकर्ताओं और नौकरशाहों के संदेश, जिन्होंने उनके लिए लूट, हत्या और बलात्कार में सहयोग किया है- आप को भी छोड़ दिया जाएगा। खबर है कि केंद्रीय एजेंसी की तरफ से मंडल को 10 बार तलब किया गया था, लेकिन वह स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का हवाला देते हुए पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए। गुरुवार को उन्हें बीरभूम स्थित आवास से गिरफ्तार किया गया। खबर है कि टीएमसी नेता को विशेष अदालत में पेश किया गया था, जहां से उन्हें 10 दिनों की हिरासत में भेजा गया है।

देश में होगी केवल एक प्रवेश परीक्षा, यूजीसी ने बनाई नीट, जेआईई के सीयूटी में विलय की योजना

नई दिल्ली । विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) इस योजना पर विचार कर रहा है कि देश में इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं को कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट-अंडरग्रेजुएट (सीयूईटी-यूजी) के अंतर्गत ले आया जाए। यूजीसी के चेयरमैन एम जगदीश कुमार ने कहा कि नए प्रस्ताव के मुताबिक तीन प्रवेश परीक्षाओं में चार विषयों- गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान की परीक्षा देने की जगह छात्र केवल एक प्रवेश परीक्षा देने के बाद विभिन्न विषयों में पढ़ाई करने के लिए अपना मनपसंद क्षेत्र चुन सकते हैं। यूजीसी अलग-अलग पक्षों के साथ विचार-विमर्श करने के लिए कमेटी बना रही है। जगदीश कुमार ने कहा प्रस्ताव है कि इन सभी प्रवेश परीक्षाओं को एक साथ मिला दिया जाए। जिससे हमारे छात्रों को एक ही ज्ञान आधारित कई प्रवेश परीक्षाओं में शामिल नहीं होना पड़े। छात्रों को एक ही प्रवेश परीक्षा देनी होगी लेकिन उनको विभिन्न क्षेत्रों में प्रवेश के अवसर मिलेंगे। देश में इस समय तीन बड़ी प्रवेश परीक्षाओं- इंजीनियरिंग प्रवेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा (मुख्य), मेडिकल प्रवेश राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक और सीयूईटी-यूजी में करीब 43 लाख छात्र शामिल होते हैं। इसमें से ज्यादातर इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षा में शामिल होते हैं। जेईई मेन्स में छात्रों को गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान की परीक्षा देनी होती है जबकि नीट-यूजी में गणित की जगह जीव विज्ञान शामिल होता है। ये विषय सीयूईटी-यूजी के 61 डोमेन विषयों का भी हिस्सा हैं। देश में हो सकती है केवल एक प्रवेश परीक्षा यूजीसी ने बनाई नीट, जीईई के सीयूईटी में विलय की योजना कुमार का कहना है कि इस प्रस्ताव का उद्देश्य ये कि छात्रों पर कई प्रवेश परीक्षाओं में शामिल होने का दबाव नहीं पड़े और विषयों के उनके ज्ञान का आकलन भी कर लिया जाए। आमतौर इस समय इंजीनियरिंग, मेडिकल या फिर विश्वविद्यालयों में दूसरे विषयों की पढ़ाई के विकल्प मौजूद हैं। जो छात्र इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई करना चाहते हैं, उनके लिए जरूरी विषयों के आधार पर मेरिट तैयार होगी। जो छात्र ऐसा नहीं करना चाहेंगे, उनको सीयूईटी-यूजी के तहत विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के मौके मिलेंगे।

काबुल के मदरसे में बम विस्फोट, धार्मिक नेता शेख रहीमुल्ला हक्कानी की मौत

-नकली पैर में विस्फोटक छिपाकर लाया हमलावर

काबुल । अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के मदरसे में हुए बम हमले में तालिबान के एक प्रमुख धार्मिक नेता शेख रहीमुल्ला हक्कानी की मौत हो गई है। तालिबान प्रशासन के प्रवक्ता बिलाल करीमी ने बताया कि बहुत दुख की बात है कि सम्मानित मौलवी शेख रहीमुल्लाह हक्कानी दुश्मनों के कायरतापूर्ण हमले में शहीद हो गए हैं। आईएसआईएल (आईएसआईएस) सशस्त्र समूह ने हमले की जिम्मेदारी ली है। तालिबान सूत्रों ने बताया कि हमलावर का एक पैर नहीं था और वह अपने कृत्रिम पैर में विस्फोटकों को प्लास्टिक के भीतर छिपा कर लाया था। आंतरिक मंत्रालय के एक वरिष्ठ तालिबान अधिकारी ने कहा हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि यह व्यक्ति कौन था और उसे शेख रहीमुल्लाह हक्कानी के निजी कार्यालय में प्रवेश करने के लिए इस महत्वपूर्ण स्थान पर कौन लाया था। यह अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है।

पाकिस्तान में हिंदू मंदिर से कीमती सामान चोरी, पुलिस ने 4 को किया गिरफ्तार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में पुलिस ने कराची में स्थित हिंदू मंदिर से कथित तौर पर आठ मूर्तियों और भगवान हनुमान की गदा सहित अन्य कीमती सामान चोरी करने के आरोप में गुरुवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया। रिपोर्ट के मुताबिक कराची के ल्यारी इलाके में स्थित मंदिर से चोरी सामान को बाद में कबाड़ के खरीदारों को बेच दिया गया। पुलिस के हवाले से कहा गया कि संदिग्ध स्थानीय अपराधी थे, जिन्होंने पिछले महीने मंदिर से मूर्तियों, हनुमान की गदा जैसे कीमती सामान चुराए थे और बाद में उन्हें कबाड़ के खरीदारों को बेच दिया था। उन्होंने बताया कि करीब आठ मूर्तियां, भगवान हनुमान की गदा और पूजा की अन्य वस्तुएं चोरी हो गई हैं। पुलिस ने चोरी के सामान के दो खरीदारों सैफुद्दीन और जकारिया अनवर को भी गिरफ्तार कर उनकी हिरासत से सामान बरामद किया था। गौरतलब है कि विभिन्न अवसरों पर यहां अल्पसंख्यक समुदायों के मंदिरों और अन्य धार्मिक संस्थानों पर हमले हुए हैं। पिछले साल अगस्त में मुस्लिम भीड़ के एक समूह ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक हिंदू मंदिर पर हमला किया उसके कुछ हिस्सों को जला दिया था और मूर्तियों को भी नुकसान पहुंचाया था।

ट्रंप के घर एफबीआई की छापेमारी के बाद सर्मथक दे रहे धमकियां, डरे अधिकारी

-रिपब्लिकन नेता बोले- एफबीआई को खत्म कर दो

वॉशिंगटन । पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के नेता डोनाल्ड ट्रंप के घर जांच एजेंसी एफबीआई की छापेमारी के बाद अधिकारियों को पार्टी समर्थकों द्वारा धमकियां दी जा रही हैं। इन धमकियों पर एफबीआई एजेंट्स एसोसिएशन ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति के घर पर छापेमारी के बाद एफबीआई के अधिकारियों के खिलाफ हिंसा को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जो कि पूर्ण रूप अस्वीकार्य है। एफबीआई की कार्यवाई पर खुद ट्रंप और पार्टी के नेताओं ने संघीय जांच ब्यूरो को भ्रष्ट और राजनीतिकृत करार देते हुए जुबानी हमले किये हैं। ट्रंप के घर पर यह छापा उन आरोपों के बाद पड़ा था, जिसमें कहा गया है कि वह व्हाइट हाउस से कई रिकॉर्ड और संवेदनशील सामग्री को अपने घर ले गए हैं। आपको बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपतियों को राष्ट्रपति रिकॉर्ड अधिनियम (पीआरए) द्वारा अपने सभी दस्तावेजों और ईमेल को राष्ट्रीय संग्रह विभाग को स्थानांतरित करने की आवश्यकता होती है। एफबीआई एसोसिएशन ने कहा कि अपना काम कर रहे विशेष एजेंटों और उनके परिवारों को हिंसा की धमकी नहीं देनी चाहिए। एसोसिएशन ने आगे कहा कि ऐसा माहौल बनाया जा रहा है, जहां कई लोग अब लॉ एनफोर्समेंट एजेंसी के खिलाफ हिंसा को सही ठहराने लगे हैं। यह बयान अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड के उस कथन के बाद सामने आया है, जहां उन्होंने खुद पूर्व राष्ट्रपति के घर पर इस अभूतपूर्व छापे की मंजूरी देने की बात को स्वीकार्य किया था। एफबीआई के छापे को खुद पर हमला बताते हुए ट्रम्प ने कहा कि ऐसी घटना सिर्फ थर्ड वर्ल्ड कन्ट्रीज में ही हो सकती हैं। उन्होंने आगे कहा कि छापे के दौरान फ्लोरिडा के पाम बीच स्थित उनके घर पर एफबीआई एजेंटों के एक बड़े समूह द्वारा घेराबंदी कर कब्जा कर लिया गया था। घटना पर कई पब्लिकन सांसदों ने एफबीआई पर जमकर हमले किये। रिपब्लिकन सीनेटर टेड क्रूज ने कहा कि एफबीआई डेमोक्रेट्स की मदद करने के लिए एक हमलावर कुत्ता बन गया है तो वहीं रिपब्लिकन सांसद पॉल गोसर ने ट्वीट कर कहा कि हमें अब एफबीआई को खत्म कर देना चाहिए।

इजराइल-गाजा संघर्ष में मरने वालों का आंकड़ा 48 हुआ, 300 से अधिक फलस्तीनी घायल

गाजा सिटी । इजराइल और फिलीस्तीन के बीच जारी तनाव के चलते गाजा के विद्रोहियों के संघर्ष में फलस्तीन में मरने वालों का आंकड़ा 48 पर पहुंच गया। मृतकों में 11 साल की एक लड़की भी शामिल है। संघर्ष में घायल हुए आठ और 14 साल के दो बच्चों को यरुशलम के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी स्थिति गंभीर है। गाजा में इस्लामी जेहादी विद्रोहियों को निशाना बनाकर सप्ताहांत में किए गए हमलों में 300 से ज्यादा फलस्तीनी घायल हुए। हमलों के बाद जेहादी समूह ने इजराइल पर सैकड़ों रॉकेट दागे हैं। यरुशलम के मुकासिद अस्पताल में 11 वर्षीय लड़की लयान अल शायेर की मौत से संघर्ष में मारे गए बच्चों की संख्या 17 हो गई है। वहीं, 14 वर्षीय नईफ अल-अवदात और आठ वर्षीय मोहम्मद अबु काफिया मुकासिद अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष आईसीयू) में भर्ती हैं। इजराइल ने कहा है कि फलस्तीनी विद्रोहियों द्वारा दागे गए राकेट लक्ष्य से चूक गए और इन घटनाओं में कम से कम 16 लोगों की मौत हुई है। ऐसा प्रतीत होता है कि इजराइल के मलों में 30 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें आम नागरिक और कई विद्रोही शामिल हैं। मारे गए विद्रोहियों में दो इस्लामिक जेहाद कमांडर भी शामिल हैं। संघर्ष शुक्रवार को शुरू हुआ था और रविवार रात संघर्ष विराम हुआ। संघर्ष में इजराइल का कोई नागरिक हताहत नहीं हुआ। इजराइल और गाजा के विद्रोही शासकों के बीच पिछले 15 वर्षों में चार युद्ध और कई छोटी लड़ाइयां हो चुकी हैं। एक अन्य घटनाक्रम में, फलस्तीन के एक कैदी को भूख हड़ताल से तबीयत खराब होने के बाद गुरुवार को इजराइल की जेल से अस्पताल ले जाया गया। खलील अवदेह के परिवार के अनुसार बिना किसी अभियोग या आरोप के इजराइल द्वारा हिरासत में रखे जाने पर ध्यान खींचने के लिए अवदेह 160 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। गाजा संघर्ष के दौरान 40 वर्षीय अवदेह का मुद्दा चर्चा में आया। गाजा के विद्रोहियों ने संघर्ष विराम के तहत अवदेह की रिहाई की मांग की थी। इजराइल ने वर्तमान में लगभग 4,400 फलस्तीनियों को हिरासत में रखा है, जिनमें घातक हमले करने वाले विद्रोही, तथा विरोध प्रदर्शन या पथराव के लिए गिरफ्तार किए गए लोग भी शामिल हैं।

चीन का 'युआन वांग 5' पोत नहीं पहुंचा हंबनटोटा बंदरगाह: श्रीलंका

कोलंबो । भारत के विरोध के चलते चीन का एक समुद्री जहाज आखिरकार श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह नहीं पहुंच सका। श्रीलंका के अधिकारियों ने कहा है कि उच्च तकनीक वाला चीनी अनुसंधान पोत तय कार्यक्रम के मुताबिक बंदरगाह नहीं पहुंचा। यह पोत गुरुवार को लंगर डालने वाला था। पिछले दिनों भारत ने श्रीलंका में इस पोत की संभावित मौजूदगी को लेकर चिंता व्यक्त की थी। रिपोर्ट के अनुसार, हंबनटोटा बंदरगाह के 'हार्बर मास्टर' ने कहा है कि कोई भी जहाज उनकी अनुमति के बिना बंदरगाह में प्रवेश नहीं कर सकता। 'हार्बर मास्टर' ने कहा था कि चीनी बैलिस्टिक मिसाइल और उपग्रह निगरानी जहाज 'युआन वांग 5' गुरुवार को हंबनटोटा बंदरगाह नहीं पहुंचेगा। पिछले हफ्ते, भारत द्वारा व्यक्त की गई सुरक्षा चिंताओं के कारण श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने बीजिंग से 'युआन वांग 5' के आगमन को टालने के लिए कहा था, जिसे 11 से 17 अगस्त तक हंबनटोटा बंदरगाह पर लंगर डालना था।
हालांकि, इस बात की कोई घोषणा नहीं की गई थी कि पोत को हंबनटोटा बंदरगाह में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी या नहीं। 'युआन वांग 5' चीन से 14 जुलाई को रवाना हुआ था और अब तक इसने अपने रास्ते में एक भी बंदरगाह में प्रवेश नहीं किया है। जहाज लगभग 28 दिनों से यात्रा में है। श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने 12 जुलाई को हंबनटोटा बंदरगाह पर जहाज को लंगर डालने के लिए मंजूरी दी थी। आठ अगस्त को, मंत्रालय ने कोलंबो में चीनी दूतावास को लिखे एक पत्र में जहाज के तय कार्यक्रम के मुताबिक ठहराव को स्थगित करने का अनुरोध किया। हालांकि, मंत्रालय ने इस तरह के अनुरोध का कारण नहीं बताया। 'युआन वांग 5' उस समय तक हिंद महासागर में प्रवेश कर चुका था। हंबनटोटा के बंदरगाह को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। बंदरगाह को बड़े पैमाने पर चीनी कर्ज की मदद से विकसित किया गया है। खबर में कहा गया है कि गुरुवार शाम तक 'युआन वांग 5' श्रीलंकाई जल क्षेत्र में दक्षिणी बंदरगाह हंबनटोटा से लगभग 600 समुद्री मील दूर था। पोत अब श्रीलंका के पूर्व से बंगाल की खाड़ी से गुजरेगा।

फ्रांस में सेंट-मैगने के जंगल में लगी आग को नियंत्रित करने का प्रयास करते हुए एक दमकल वाहन।

जेपोरिझझिया परमाणु संयंत्र में रूस की बमबारी, यूक्रेन का दावा- कई रेडिएशन सेंसर हुए तबाह

कीव । युद्धग्रस्त देश यूक्रेन पर रूस के हमले लगातार जारी हैं ऐसे में यूक्रेन ने सुरक्षा संबंधित चिंताओं को दूर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक से पहले गुरुवार को जैपोरिझझिया परमाणु संयंत्र के पास हमले को लेकर एक-दूसरे पर आरोप लगाया है। प्लांट के पास जबरदस्त हमले हुए हैं। इससे प्लांट का एक हिस्सा तबाह हो गया है। दोनों ने एक-दूसरे पर इन हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराया है। दोनों ने कहा कि प्लांट में एक रेडियोएक्टिव मैटेरियल स्टोरेज एरिया के पास पांच रॉकेट हमले हुए। जैपीरिझझिया यूरोप की सबसे बड़ी परमाणु प्लांट है, जो हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच नए सिरे से लड़ाई का केंद्र रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की परमाणु एजेंसी एनगोंआटोम ने कहा कि रूस की तरफ से हाल ही में प्लांट के 6 रिएक्टरों के करीब गोलीबारी हुई। इससे पूरे प्लांट में जबरदस्त धुआं छा गया और कुछ रेडिएशन सेंसर्स को भी नुकसान हुआ है। फिलहाल यूक्रेनी प्लांट रूसी सैनिकों के नियंत्रण में है और यूक्रेन इसे वापस पाने के लिए जबरदस्त कोशिश कर रहा है। यूक्रेन ने आरोप लगाया है कि मॉस्को इस प्लांट में अपने सैकड़ों सैनिकों और हथियारों को स्टोर करने का काम कर रहा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने चेतावनी दी है कि रूस द्वारा अगर इस प्लांट पर हमले जारी रहते हैं तो यह शेर्नोबिल से बड़ी परमाणु आपदा में तब्दील हो सकता है। वहीं संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने बयान जारी कर कहा कि जैपोरिझिया प्लांट पर जारी हमलों से आपदा आ सकती हैं। उन्होंने दोनों पक्षों से पावर प्लांट के करीब तुरंत सैन्य गतिविधियों को रोकने की मांग की।

ताइवान की सीमा पर अभी भी चीन के कई पोत हैं तैनात, नहीं थमा खतरा

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

पिछले हफ्ते अमेरिकी की प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने ताइवान की यात्रा की थी जिसके बाद चीन काफी ज्यादा भड़क गया था और उसने अपना सैन्य ताकत दिखाने के लिए 4 दिन तक ताइवान की सीमा के पास अब तक का सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास किया। अब जब चीन ने अपना सैन्य अभ्यास खत्म कर दिया है तो ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा है कि 'चीन की ओर से ताकत के इस्तेमाल का खतरा अभी कम महीं हुआ है, भले ही उसने अपना सैन्य अभ्यास खत्म कर दिया हो।' बता दें कि ताइवान ने भी अपना छोटा वार्षिक सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया है। ताइवान ये अभ्यास किसी भी हमले का करारा जवाब देने की तैयारी में कर रहा है।

राष्ट्रपति कार्यकाल ने एक बयान जारी कर कहा है कि, ताइवान न तो संघर्ष को बढ़ाएगा और न ही विवाद को भड़काएगा। हम दृढ़ता से अपनी संप्रभुता व राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करेंगे और लोकतंत्र एवं स्वतंत्रता की लक्ष्मण रेखा का पालन करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, चीनी नौसेना के कई पोतों को गुरूवार को ताइवान के पूर्वी तट और जापान के नजदीक देखा गया है। वहीं ताइवान के युद्धपोतों की संख्या में काफी कमी आई है। ताइवान की सरकार ने कहा कि, चीन कभी भी उनके देश पर शासन नहीं कर पाएगा और इसलिए चीन का ताइवान के भविष्य पर फैसला करने का कोई भी अधिकार नहीं हैं। बता दें कि ताइवान ने चीन के एक देश दो प्रणाली शासन को भी पूरी तरह से खारिज कर दिया है। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर रहा कि उनके देश के भविष्य का फैसला केवल उनके लोग ही कर सकते है और कोई नहीं।

चीन की दोहरी चाल, पाकिस्तानी आतंकी रऊफ अजहर को ब्लैकलिस्ट करने के प्रस्ताव को रोका

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन ने जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के भाई अब्दुल रऊफ अजहर को काली सूची में डालने में बाधा डाल दी है। अमेरिका और भारत ने अजहर को ब्लैक लिस्ट में डालने के लिए संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव पेश किया था जिसपर अब ड्रैगन ने अपनी टांग अड़ा दी है। भारत के आरोपों के अनुसार, अजहर साल 1999 में भारत के विमान आईसी814 के अपहरण, 2001 में संसद पर हमले और 2016 में पठानकोट में वायु सेना के अड्डे को निशाना बनाने जैसे अपराधों में शामिल रहा है। पाकिस्तान का साथ दे रहे चीन ने अमेरिका और भारत के प्रस्ताव पर पहले भी रोक लगाई है। इससे पहले चीन ने इसी साल जून में पाकिस्तानी आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की को यूएनएससी की प्रतिबंधित सूची में शामिल करने पर रोक लगाई थी। बता दें कि मक्की मूंबई के 26/11 हमलों के मुख्य साजिशकर्ता हाफिज सईद का रिश्तेदार है। भारत

और अमेरिका ने मक्की को वैश्विक आतंकवादी घोषित किए जाने के लिए एक संयुक्त प्रस्ताव पेश किया था लेकिन चीन ने अंतिम समय पर इस पर रोक लगा दी थी। अगर चीन भी इस प्रस्ताव पर अपनी हां भर देता तो आतंकी रऊफ की यात्रा पर बैन वलगा जाता और पाकिस्तान को उसकी सभी सपंत्ति परर रोक लगानी पड़ जाती। इसके अलावा हथियारों की भी पहुंच बिल्कुल खत्म हो जाती।

कोरोना से संपर्क में आने के बाद लक्षण नहीं तब क्वारंटाइन की जरुरत नहीं: सीडीसी

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका में कोरोना के टीकों और उपचार में मिलती कामयाबी के बीच सीडीसी ने स्कूलों सहित अन्य जगहों पर स्क्रीनिंग और परीक्षण के लिए दिए अपने निर्देशों को वापस ले लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक देश के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति में वायरस के संपर्क में आने के बावजूद संक्रमण के लक्षण नहीं है, तब अब व्यक्ति को क्वारंटाइन होने की कोई आवश्यकता नहीं है।

हालांकि सीडीसी ने इसतरह के व्यक्तियों के लिए पांच दिनों बाद कोरोना जांच और अगले दस दिनों के लिए अच्छी गुणवत्ता का मास्क लगाने की सलाह दी है। सीडीसी के मुताबिक रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर लोगों को कम से कम पांच दिनों के लिए दूसरों से अलग रहना चाहिए। साथ ही अधिकांश जगहों पर सीडीसी ने बिना लक्षण वाले लोगों के लिए कोरोना जांच की अनिवार्यता को खत्म कर दिया है। अब स्कूलों और चाइल्ड-केयर केंद्रों पर वायरस के संपर्क में आने वाले छात्रों और लोगों को परीक्षण से छूट मिल गई है।

साथ ही इन छात्रों के लिए क्वारंटीन की बाध्यता को भी समाप्त कर दिया गया है। वहीं अमेरिकन फेडरेशन ऑफ टीचर्स की अध्यक्ष रैंडी वेनगार्टन ने दिशानिर्देशों में बदलावों का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि हम सभी को यथासंभव सामान्य वर्ष की आवश्यकता है। दरअसल वैक्सीन के कारण लोगों में बढ़ी रोग प्रतिरोधक क्षमता और बेहतर उपचार उपलब्ध होने के चलते सीडीसी ने अपने कड़े नियमों में छूट का प्रावधान किया है। हालंकि कई विशेषज्ञों ने इस छूट पर आपत्ति जाहिर की हैं।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने उत्तर कोरिया में परमाणु निरस्त्रीकरण की प्रतिबद्धता जताई

सियोल। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने उत्तर कोरिया को परमाणु हथियार रहित देश बनाने के लिए शुक्रवार को अपनी प्रतिबद्धता जताई। हालांकि, सुरक्षा परिषद के कुछ सदस्य देशों ने उत्तर कोरिया को अपने परमाणु हथियारों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों का प्रसार करने के लिए अधिक गुंजाइश दी है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल से सियोल में मुलाकात के दौरान गुतारेस ने कोरियाई प्रायद्वीप और उत्तर कोरिया में पूर्ण, सत्यापित किये जाने योग्य और अपरिवर्तनीय परमाणु निरस्त्रीकरण के प्रति संयुक्त राष्ट्र की स्पष्ट प्रतिबद्धता जताई।

उन्होंने यून से कहा, ''पूरे क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता लाना एक मूलभूत उद्देश्य है।'' उन्होंने अंतरराष्ट्रीय शांति व्यवस्था कायम रखने की कोशिशों और जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने में दक्षिण कोरिया की भागीदारी की सराहना करते हुए यह कहा। गुतारेस

ने इस साल 30 से अधिक मिसाइल का परीक्षण किया है। उसने 2017 के बाद इस साल पहली बार अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का भी परीक्षण किया।

एएफआई के सुलूर स्टेशन पर जेट के स्टॉपओवर पर बोला फ्रांस- हम भारत पर भरोसा करते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फ्रांस की वायु सेना की एक टुकड़ी ने प्रशांत महासागर में अपने महासैन्य अभियान के तहत तमिलनाडु में भारतीय वायु सेना के सुलुर केंद्र पर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ठहराव किया। फ्रांसीसी वायुसेना दल में 3 राफेल लड़ाकू जेट भी शामिल थे। भारतीय वायु सेना द्वारा फ्रांस की सेना को दिया गया समर्थन उस साजो-सामान संबंधी सहयोग के समझौते के क्रियान्वयन को दर्शाता है जिसके लिए फ्रांस और भारत ने 2018 में सैन्य सहयोग बढ़ाने के मकसद से हस्ताक्षर किये थे। फ्रांस के एक वक्तव्य में कहा गया कि भारतीय वायु सेना के साथ सहयोग दोनों पक्षों के बीच उच्च स्तर के आपसी विश्वास और अंतर-सक्रियता को दर्शाता है। उसने कहा कि फ्रांसीसी टुकड़ी की 10 और 11 अगस्त को वायु सेना केंद्र सुलुर में तकनीकी पड़ाव के लिए मेजबानी की गयी।

फ्रांसीसी बल 10 अगस्त से 18 सितंबर तक हिंद-प्रशांत क्षेत्र में लंबी दूरी का मिशन संचालित कर रहा है जिसका कूट नाम पगासे 22 है। बयान

में कहा गया कि, 'इस मिशन के पहले चरण का उद्देश्य 72 घंटे से भी कम समय में प्रशांत महासागर में न्यू कैलेडोनिया के फ्रांसीसी क्षेत्र में महानगरीय फ्रांस से वायु सेना के एक दल को तैनात करके लंबी दूरी की वायु शक्ति प्रक्षेपण के लिए फ्रांस की क्षमता का प्रदर्शन करना है।

फ्रांसीसी राजदूत इमैनुएल लेनिन ने सफल ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि फ्रांस इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में एक बड़ी शक्ति है। यह महत्वाकांक्षी लंबी दूरी की वायु शक्ति प्रक्षेपण क्षेत्र और हमारे भागीदारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह स्वाभाविक है कि इस मिशन को अंजाम देने के लिए फ्रांस ने भारत पर भरोसा किया और इसे फ्रांस का एशिया में सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार माना जाना चाहिए।

पुतिन की खुफिया आर्मी हैं वैगनर ग्रुप, भाड़े के सैनिक जो पैसों के लिए हत्या करते हैं

मॉस्को (एजेंसी)।

रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से 'वैगनर ग्रुप के बारे में बार-बार सुनने को मिल रहा है। किराए पर फाइटर्स देने वाला एक रूसी नेटवर्क जिसका कागजों और दस्तावेजों में कहीं कोई जिक्र नहीं है। न ही यह ग्रुप टैक्स रिटर्न फाइल करता है, इसके कथित समर्थक ग्रुप के साथ अपने किसी तरह के कनेक्शन से इनकार करते हैं और आधिकारिक रूप से रूस में प्राइवेट मिलिट्री कंपनियां अवैध हैं। रिपोर्ट में इस खुफिया ग्रुप के बारे में जानकारी दी गई है। कई खबरों में दावा किया गया है कि पुतिन वैगनर ग्रुप के लड़ाकों का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ जंग में कर रहे हैं। भाड़े के सैनिक आधिकारिक नहीं होते इसलिए उनके पास सैनिकों के समान अधिकार या गारंटी नहीं होती और उन्हें सिर्फ मिशन पूरा करने के बाद ही भुगतान किया जाता है।' उन्होंने कहा, 'आपने मिशन पूरा किया, अपना पैसा लिया और आप छुट्टी पर जा सकते हैं। दरअसल गैबिडुलिन वैगनर ग्रुप के इकलौते पूर्व भाड़े के सैनिक हैं जो सार्वजनिक रूप से अपने अनुभवों को बताने के लिए सामने आए हैं। वह अब दक्षिणी फ्रांस में रहते हैं। उनका कहना है कि वह शरण लेने की प्रक्रिया में हैं और अपने अनुभवों के बारे में एक किताब लिख चुके हैं। साल 2014 में इंटेलिजेंस ऑफिसर दिमित्री उत्किन ने यूक्रेनी अलगाववादियों को समर्थन देने के लिए वैगनर ग्रुप की स्थापना की थी। तब से यह ग्रुप अफ्रीका से लेकर मिडिल ईस्ट में रूस और उसके सहयोगियों के हितों का प्रतिनिधित्व कर चुका है। इस समूह ने सीरिया के गृह युद्ध में राष्ट्रपति बशर अल-असद की ओर से हिस्सा लिया था। वैगनर ग्रुप के लड़ाकों पर कई तरह के अत्याचार के आरोप लग चुके हैं। कभी पर्दे के पीछे से काम करने वाला यह ग्रुप यूक्रेन युद्ध के बाद से खुलकर सामने आ चुका है।

संपादकिय

अपराधी नेताओं को सजा ?

लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक

अब यदि ऐसे नेताओं पर जीवन भर का प्रतिबंध लग जाए तो क्या हमारी राजनीति का शुद्धिकरण नहीं होगा? ऐसे कड़े प्रतिबंध के डर के मारे नेता लोग अपराध आदि करने से क्या बचे रहना नहीं चाहेंगे?

आजकल सर्वोच्च न्यायालय में एक बड़ी मजेदार याचिका पर बहस चल रही है। उसमें मांग की गई है कि जिस भी विधायक या सांसद को आपराधिक मामलों में सजा दी गई हो, उसे जीवन भर के लिए राजनीति से बाहर क्यों नहीं किया जाए? अभी 1951 के जन-प्रतिनिधित्व कानून के मुताबिक यदि किसी नेता को सजा मिलती है तो छह वर्ष तक वह न तो कोई चुनाव लड़ सकता है और न ही किसी राजनीतिक दल का पदाधिकारी बन सकता है। छह साल के बाद वह चाहे तो फिर दनदना सकता है। अब यदि ऐसे नेताओं पर जीवन भर का प्रतिबंध लग जाए तो क्या हमारी राजनीति का शुद्धिकरण नहीं होगा? ऐसे कड़े प्रतिबंध के डर के मारे नेता लोग अपराध आदि करने से क्या बचे रहना नहीं चाहेंगे? इस याचिका को पेश करनेवाले अश्विन उपाध्याय का तर्क है कि यदि एक पुलिसवाला या कोई सरकारी कर्मचारी किसी अपराध में जेल भेज दिया जाता है तो उसकी नौकरी हमेशा के लिए खत्म हो जाती है या नहीं? जहां तक नेता का सवाल है, उसके लिए राजनीति सरकारी नौकरी की तरह उसके जीवन-यापन का एक मात्र साधन नहीं होती है। वह तो जन-सेवा है। उसका शौक है। उसकी प्रतिष्ठा पूर्ति है। राजनीति से बाहर किए जाने पर वह भूखा तो नहीं मर सकता है। इस तर्क का समर्थन भारत के चुनाव आयोग ने भी किया है लेकिन चुनाव आयोग स्वयं तो किसी कानून को बदल नहीं सकता। उसके पास नया कानून बनाने का अधिकार भी नहीं है। ऐसे में सरकार चाहे तो वह कुछ ठोस पहल कर सकती है। वह संसद में प्रस्ताव लाकर ऐसा कानून जरुर बना सकती है लेकिन कोई भी सरकार ऐसा कानून क्यों बनाना चाहेगी? यदि वह ऐसा कानून बना दे तो उसके कई बड़े-बड़े नेता राजनीति से बाहर हो जाएंगे। देश के अनेक केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद और विधायक साधारण अपराधियों की तरह जेल की हवा खा चुके हैं और कई तो अभी जेल में ही सड़ रहे हैं। मैं उनके नाम यहां नहीं गिना रहा हूं। यदि उनके विरुद्ध वैसा कानून बन गया तो देश की राजनीति में भूकंप आ जाएगा। यह भी ठीक है कि कई नेताओं को उनकी विरोधी सरकारों ने बनावटी आरोपों के आधार पर सींखचों के पीछे धकेल दिया था। इसके अलावा यदि सत्तारुढ़ पार्टी अपने किसी प्रबल विरोधी नेता को राजनीति से बाहर करने के लिए इस कानून का सहारा ले लेगी तो कोई आश्चर्य क्यों होगा? इसीलिए इस याचिका पर फैसला देते हुए अदालत को कई मुद्दों पर विचार करना होगा। बीच का रास्ता यह भी हो सकता है कि राजनीति से अपराधियों के निर्वासन की अवधि 6 साल से बढ़ाकर 10 साल कर दी जाए। 10 साल में तो अच्छे-खासे नेताओं की भी हवा खिसक जाती है। राजनीति को अपराधियों से मुक्त करना बहुत जरुरी है लेकिन वास्तविक पश्चाताप करनेवालों को दुबारा मौका क्यों नहीं दिया जा सकता है?

कार्टून

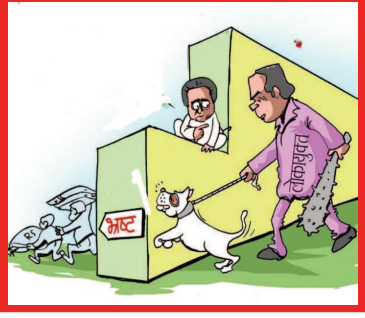

अमृत महोत्सवः देश के लिये मर मिटने का संकल्प

लेखक- निलय श्रीवास्तव

सभी जानते हैं कि मध्यप्रदेश का स्वतंत्रता संग्राम सम्बंधी इतिहास उल्लेखनीय और प्रासंगिक रहा है। यहाँ अंग्रेजी हुकुमत के खिलाफ लड़ाई लडकर शूरवीरों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर स्वतंत्रता की लड़ाई में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज कराया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रयासों से ऐसे प्रबुद्धजनों के बारे में समय-समय पर कार्यक्रम चलाये जाते हैं ताकि लोगों के स्मृति पटल पर वे हमेशा बने रहें तथा आमजन को देश पर मर मिटने का संकल्प मिलता रहे। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश सरकार का उद्देश्य श्हर घर तिरंगाश् अभियान का आगाज कर प्रदेश के लोगों को देश के प्रति समर्पित रहने का संदेश देकर देश और प्रदेश की तरक्की, सुरक्षा और सम्पन्नता में सहभागी बनाने का प्रयास है।

देश के लिए वह ऐतिहासिक क्षण होगा जब 75 वाँ अमृत महोत्सव मनाया जा रहा होगा। अमृत महोत्सव देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में उत्साह में भर देने वाला पर्व तो है ही साथ ही स्वतंत्रता संग्राम में अपनी जान न्यौछावर करने वाले शूरवीरों को सच्ची श्रद्धांजलि देने का माध्यम भी है। अमृत महोत्सव अर्थात् दिवंगत स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग का अमृत, नये विचारों का अमृत, नये संकल्पों के साथ नयी ऊर्जा और आत्मनिर्भरता का अमृत। इस कार्यक्रम को जन उत्सव में परिवर्तित करने वाले देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों में ष्स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास की तरह ही आजादी के 75 वर्ष पूरे होने का यह सफर आम भारतीय के अथक परिश्रम, नव ऊर्जा और उत्साह का प्रतिबिम्ब है। हमें देश के संविधान पर गर्व है, मजबूत लोकतंत्र के लिए विश्व में अपनी अलग पहचान स्थापित करने वाला भारत देश ज्ञान और विज्ञान से समृद्ध होकर मंगल से लेकर चंद्रमा तक अपनी विशिष्ट छाप छोड़ रहा है।ष् आजादी के अमृत महोत्सव के इस वृहद कार्यक्रम में मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार भी पूरे उत्साह, जोश ए खरोश के साथ अपनी भागीदारी सुनिश्चित करवा रही है। सभी जानते हैं कि मध्यप्रदेश का स्वतंत्रता संग्राम सम्बंधी इतिहास उल्लेखनीय और प्रासंगिक रहा है। यहाँ अंग्रेजी हुकुमत के खिलाफ लड़ाई लडकर शूरवीरों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर स्वतंत्रता की लड़ाई में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज कराया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रयासों से ऐसे प्रबुद्धजनों के बारे में समय-समय पर कार्यक्रम चलाये जाते हैं ताकि लोगों के स्मृति पटल पर वे हमेशा बने रहें तथा आमजन को देश पर मर मिटने का संकल्प मिलता रहे। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश सरकार का उद्देश्य श्हर घर तिरंगाश् अभियान का आगाज कर प्रदेश के लोगों को देश के प्रति समर्पित रहने का संदेश देकर देश और प्रदेश की तरक्की, सुरक्षा और सम्पन्नता में सहभागी बनाने का प्रयास है। श्हर घर तिरंगाश् अभियान को लेकर मध्यप्रदेश के लोगों में अपार उत्साह बना हुआ है। युवा पीढ़ी के साथ बच्चे भी इसे लेकर उत्साहित हैं। तिरंगा यात्रा को लेकर पूरे मध्यप्रदेश में उत्साहजनक माहौल निर्मित है। मध्यप्रदेश में निश्चित रूप से ऐसे आयोजन होते रहने चाहिये। यहाँ बता दें कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान देश और अपने प्रदेश से अपार प्रेम करते हैं, यह प्रेम कभी -कभी उनकी बातों में स्पष्टतरू झलकता भी है। स्वाधीनता सेनानियों का सम्मान कर उनकी स्मृतियों को जन सामान्य तक पहुँचाने का अभिनव प्रयोग मध्यप्रदेश में हो रहा है। विभिन्न जाति और धर्म के लोगों को एक सूत्र में बाँधकर रखने वाले मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान विभिन्न स्तर के आयोजन कर सरकार और जनता के बीच की दूरी को मिटा रहे हैं, इसके लिए वे प्रशंसा के पात्र हैं। आजादी मिले 75 साल का लम्बा समय बीत चुका है। आजादी की सुखद अनुभूति है लेकिन जब देश के विभाजन की बात सामने आती है तो एक शूल हृदय में चुभता है। महज राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए देश का बंटवारा हुआ और पाकिस्तान का जन्म हुआ। मानव हिंसा और पलायन की जो दर्दनाक तस्वीरें दुनिया ने देखीं उससे सभी हतप्रभ रह गए। नरसंहार ऐसा था जिससे रोंगटे खड़े हो गए। संदर्भ ग्रंथो के अनुसार भारत के विभाजन से प्रभावित तीन प्रमुख राज्य पंजाब, बंगाल और सिन्ध में हिन्दू , सिख और मुस्लिम गांव थे। इसके अतिरिक्त कुछ अन्य गांवों में इन तीनों समुदायों के लोग थोड़ी- थोड़ी संख्या में थे। विभाजन के फैसले के बाद साठ लाख गैर मुसलमानों को नये बने पश्चिमी पाकिस्तान क्षेत्र से बाहर निकलना पड़ा और 65 लाख मुसलमानों को भारतीय हिस्से के पंजाब, दिल्ली आदि जगहों से निकल पश्चिम पाकिस्तान जाना पड़ गया था। मानवता के इतिहास में पहले कभी किसी भी विषम परिस्थिति में इतने कम समय में इतनी बड़ी आबादी का स्थानांतरण नहीं हुआ था। विभाजन के फैसले से प्रभावित हिंसा में मारे गए लोगों की संख्या तीस हजार से लेकर 7 लाख के दरम्यान होने का अनुमान लगाया गया था। भारत विभाजन के बाद अब देश पुनरावृत्ति नहीं चाहता। धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर में आरम्भ से ही उथल पुथल रही है। स्वतंत्रता के पश्चात् 26 अक्टूबर 1947 को जम्मू कश्मीर के तत्कालीन शासक महाराजा हरिसिंह ने अपनी रियासत का विलय भारत में कर दिया था। इस विलय को गर्वनर जनरल माउंटबेटन ने 27 अक्टूबर को स्वी.ति प्रदान कर दी थी। अन्य रजवाड़ों की तरह कश्मीर भी भारत में शामिल हो गया लेकिन पाकिस्तान इससे खुश नहीं था। उसने विघटनकारी ताकतों को जुटाकर कश्मीर की शांति को भंग करने की योजना बनायी । कश्मीर में अलगावावादियों को मिलाकर आतंकी हमले लगातार किये गए। कश्मीरी पंडितों का विस्थापन और स्थानीय नागरिकों को धर्म आधारित बांटने की साजिश अभी भी जारी है। हिन्दू कश्मीरी पंडितों का पलायन चिंता का विषय है। याद रहे कि जनवरी 1990 में कश्मीर घाटी से हिन्दू कश्मीरी पंडितों का पलायन हुआ था। मस्जिदों से घोषणा की गयी थी कि कश्मीरी पंडित काफिर हैं और उन्हें कश्मीर छोडना होगा। यदि कश्मीर नहीं छोड़ा तो उन्हें इस्लाम कबूल करना होगा अन्यथा उन्हें मार दिया जायेगा। कश्मीरी मुसलमानों को पंडित घरों की पहचान करने का निर्देश दिया गया ताकि उनका धर्म परिवर्तन कर डराया धमकाया जा सके। जिन लोगों ने मजबूर होकर कश्मीर छोडने का फैसला लिया उन्हें घर की महिलाओं को वहीं छोडने के लिये कहा गया। इस तरह कश्मीर में कभी शांति नहीं रही। आतंक, अलगाव को बढ़ावा देने वाली ताकतें हमेशा प्रभावी रहीं। कश्मीर को लेकर आज भी देश में एक राय है, यह भारत का हिस्सा है और भविष्य में रहेगा। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है इसे जुदा कर देश को एक और विभाजन की पीड़ा देने के मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे।

धर्म

आदत

श्रीराम शर्मा आचार्य

सभी जानते हैं कि मध्यप्रदेश का स्वतंत्रता संग्राम सम्बंधी इतिहास उल्लेखनीय और प्रासंगिक रहा है। यहाँ अंग्रेजी हुकुमत के खिलाफ लड़ाई लडकर शूरवीरों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर स्वतंत्रता की लड़ाई में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज कराया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रयासों से ऐसे प्रबृद्धजनों के बारे में समय-समय पर कार्यक्रम चलाये जाते हैं ताकि लोगों के स्मृति पटल पर वे हमेशा बने रहें तथा आमजन को देश पर मर मिटने का संकल्प मिलता रहे। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश सरकार का उद्देश्य श्हर घर तिरंगाश् अभियान का आगाज कर प्रदेश के लोगों को देश के प्रति समर्पित रहने का संदेश देकर देश और प्रदेश की तरक्की, सुरक्षा और सम्पन्नता में सहभागी बनाने का प्रयास है।

आदतों को आरम्भ करने में तो कुछ भी नहीं करना पड़ता है पर वे बिना किसी कारण के भी क्रियान्वित होती रहती हैं। इतना ही नहीं, कई बार तो ऐसा भी होता है कि मनुष्य आदतों का गुलाम हो जाता है, और कोई विशेष कारण न होने पर भी उपयुक्त-अनुपयुक्त आचरण करने लगता है। बाद में स्थिति ऐसी बन जाती है कि उस आदत के बिना काम ही नहीं चलता। आलसियों और गंदगी पसन्द लोगों के कुटेवों को लोग नापसन्द भी करते हैं, और इनके लिए टीका-टिप्पणी भी करते हैं। पर अभ्यस्त व्यक्ति को यह प्रतीत ही नहीं होता कि उसने कोई ऐसी आदत पाल रखी है, जिसे लोग नापसन्द करते हैं, और बुरा मानते हैं। अच्छी आदतों के संबंध में यह बात है। साफ-सुथरे रहना, किफायत बरतना और किसी न किसी उपयोगी काम में लगे रहना, न होने पर प्रयत्नपूर्वक सौंपा हुआ काम कर लेना, एक प्रकार की अच्छी आदत ही है, जो आपके व्यक्तित्व का वजन बढ़ाती है। कुछ न कुछ उपयोगी प्रक्रिया बन पड़ने पर अनायास ही सहज श्रेय प्राप्त होता है। तिनके-तिनके इकट्ठे करने पर मोटा या मजबूत रस्सा बन जाता है। अच्छी या बुरी आदतों के संबंध में भी ऐसी बात है। आरम्भ में वे अनायास ही आरम्भ हो जाती हैं, और थोड़ा सा प्रयत्न करने, कुछ बार दुहरा देने भर से मनःस्थिति अनुकूल बन जाती है। स्वभाव का अंग बन जाने पर समूचे व्यक्तित्व को ही उस ढांचे में ढाल लेती हैं। अच्छी आदतों का अभ्यास किया जाए तो व्यक्तित्व सुणी स्तर का बन जाता है। दूसरों के मन में अपने लिए सम्मानजनक स्थान बना लेता है। उसे सभ्य या शिष्ट माना जाता है। उसके संबंध में लोग और भी अच्छे सुणों की मान्यता बना लेते हैं। उसके कार्यों में सहयोग करने लगते हैं, या अवसर मिलते ही उसे अपना सहयोगी बना लेते हैं। सहयोग या असहयोग ही किसी की उन्नति या अवनति का प्रमुख कारण है। अच्छी आदतें फलतः अपना हित साधन करती हैं। इनका देर-सबेर में उपयोगी लाभ मिलता है। इसके विपरीत बुरी आदतों से प्रत्यक्षतः और परोक्षतः निकट भविष्य में हानि ही उठाने की आशंका रहती है। कहा भी जाता है कि पहले आप आदतों को बनाते हैं, फिर वे आपको बनाती हैं। इसलिए जरूरी हो जाता है कि बराबर सचेत रहें और गलत आदतों को अपने भीतर जगह बनाने ही न दें।

(विचार मंथन)

जनता के अधिकारों को बेच रहे हैं सांसद, विधायक और पार्षद

लेखक -सनत जैन

लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिक अपने अधिकार मत के माध्यम से राजनीतिक दल और उसके उम्मीदवार को देकर अपना प्रतिनिधि चुनता है। यही प्रतिनिधि जब दल-बदल करता है, तो वह अपने मतदाताओं के साथ धोखा करता है। लोकतंत्र में नंबर के खेल में पार्षद, विधायक, सांसद जनता के मिले अधिकारों को लाखों करोड़ों रुपए में बेचकर निजी फायदा उठाते हैं। वहीं अपने मतदाताओं, जिनके अधिकार से वह अधिकार पाते हैं, के साथ धोखा कर उन्हें नुकसान पहुंचाते हैं। मतदाता पार्टी की विचाराधारा, नेतृत्व एवं उम्मीदवार को देखकर अपना मत देकर उसे अपना प्रतिनिधि चुनता है। क्रॉस वोटिंग और हार्स ट्रेडिंग ने लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं मतदाताओं के विश्वास को भारी नुकसान पहुंचाया है। अब कोई भी धन-पशु, धन खर्च करके नगर पालिका, नगर निगम, राज्य सरकार के लिए करोड़ों रुपए का निवेश कर अरबों रुपए कमा सकता है। पिछले कुछ वर्षों में दल-बदल की बीमारी बड़ी तेजी के साथ बढ़ती ही जा रही है। बिना चुनाव लड़े, कोई भी राजनीतिक दल किसी भी राज्य में अपनी सरकार बनाने में सफल हो रहे हैं। अल्पमत में होते हुए पार्षदों, विधायकों एवं सांसदों को खरीद कर सत्ता पर काबिज होने के दर्जनों मामले हैं। उसके बाद भारी भ्रष्टाचार कर सैकड़ों और हजारों गुना कमाने का खेल बड़े पैमाने पर देश में चल रहा है। इसमें कारपोरेट जगत की भागीदारी ने चिंता को और बढ़ा दिया है। लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत नागरिक का वोट है। आम मतदाता, जिसके वोट से जनप्रतिनिधि चुने जाते हैं। वही जनप्रतिनिधि अपने मतदाता की पीठ में छुरा भोंककर मतदाता को उसके अधिकार से वंचित कर आर्थिक और मानसिक नुकसान पहुंचाता है। ऐसे जनप्रतिनिधियों को सबक सिखाने की जरूरत है। दल बदल कानून का अब कोई मतलब नहीं रह गया है। ÷समरथ को नहिं दोष गुसाईं÷ की तर्ज पर दल-बदल कानून के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी जिन पर डाली गई है। वह अपनी जिम्मेदारी निभाने में पूर्णतः असफल साबित हुए हैं। हाल ही में न्यायपालिका का जो रुख देखने को मिल रहा है। वह अप्रत्यक्ष रूप से दल बदलुओं को फायदा पहुंचा रहा है। जिसके कारण अब स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। विशेष रुप से पंचायत, नगरीय संस्थाओं और विधानसभाओं में जिस तरीके से नेता बिक रहे हैं, उसके बाद लोकतांत्रिक व्यवस्था और लोकतंत्र पर मतदाताओं का विश्वास खत्म होने लगा है। नगरीय संस्थाओं, राज्य सरकारों तथा केन्द्र सरकार ने पिछले वर्षों में जनता के ऊपर लगातार टैक्स बढ़ाये हैं। बहुमत के बिना, बिना बहस के कानून बन रहे हैं। जनता को जो सुविधायें निःशुल्क मिलती थी उस पर भारी-भरकम शुल्क वसूला जा रहा है। नित नये कानून बनाकर आम जनता के मौलिक अधिकारों को खत्म किया जा रहा है। चुने हुए प्रतिनिधियों को अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया जाता है। निर्वाचित प्रतिनिधियों को बोलने के लिए 2 से 5 मिनिट का समय दिया जाता है। विधानसभा और लोकसभा के जो सत्र पहले महीनों चलते थे, वह कुछ ही दिनों में हो-हल्ले के बीच समाप्त हो जाते हैं। विधानसभा, लोकसभा और राज्य सभा में हो- हल्ले के बीच बड़े-बड़े कानून बन जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में मनी बिल के रुप में ईडी को जो अधिकार दिये गए हैं। उसने नागरिकों के मौलिक अधिकारों को समाप्त कर दिया है। न्यायपालिका सरकार के दबाव में काम करती हुई दिखने लगी है। हाई कोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति भी सरकारी पसंद से हो रही है। जिसके कारण आम नागरिकों का लोकतांत्रिक व्यवस्था से विश्वास टूट रहा है। न्यायपालिका पर जो विश्वास था। वह भी टूट रहा है। जॉच एजेंसियॉ एवं संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर जनता का विश्वास खत्म होना चिंता का विषय है। ऐसी स्थिति लोकतंत्र के लिए सबसे खतरनाक मानी जाती है।

इस स्थिति में तानाशाही अथवा बगावत दो ही रास्ते खुलते हैं, दोनों ही आम जनता एवं देश के लिए नुकसानदायक होते हैं।

(खेल-खिलाड़ी)

महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है चानू की सफलता

(लेखक- योगेश कुमार गोयल

राष्ट्रमंडल खेलों का समापन हो गया है और इस बार के राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय भारोत्तोलकों ने जिस प्रकार भारतीय झंडे को ऊंचा रखा, वह देश के लिए गर्व की बात है। वेटलिफ्टिंग में 55 किलोग्राम भारवर्ग में संकेत ने रजत पदक जीता, जो इस बार के राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का पहला पदक था। 61 किलोग्राम भारवर्ग में 269 किलोग्राम भार उठाकर गुरुराजा ने कांस्य पदक जीता। उसके बाद महिलाओं के 49 किलोग्राम भार वर्ग में मीराबाई चानू ने स्वर्ण पदक जीतकर तो इतिहास रच दिया क्योंकि राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का यह पहला स्वर्ण पदक था। बर्मिंघम में सोना जीतने वाली मीराबाई चानू भारत की पहली महिला और जेरेमी लालरिनुंगा देश के पहले पुरुष एथलीट बने। जहां तक मीराबाई की बात है तो उन्होंने 2018 में गोल्डकोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में भी सोना जीता था और पिछले साल टोक्यो ओलम्पिक में रजत पदक जीत चुकी हैं। मीराबाई कॉमनवेल्थ गेम्स में शुरू से ही विश्वास से भरी नजर आ रही थी और उन्होंने स्नैच राउंड के बाद ही 12 किलो की भारी-भरकम बढ़त बना ली थी। वह शुरू से ही स्वर्ण पदक की पोजीशन पर बरकरार थी और 49 किलोग्राम भार वर्ग में 201 किलो वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स में सोना जीतकर उन्होंने इस श्रेणी में नया रिकॉर्ड भी बनाया। दरअसल चानू ने स्नैच में 88 किलो जबकि क्लीन और जर्क में 113 किलो वजन उठाया। स्नैच का इस श्रेणी में यह राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड है। अपने पहले प्रयास में मीराबाई चानू ने स्नैच में 84 किलो वजन उठाया और दूसरे प्रयास में वह 88 किलो वजन उठाकर स्वयं के ही सर्वश्रेष्ठ की बराबरी करने में सफल रही। हालांकि उन्होंने तीसरे प्रयास में 90 किलो वजन उठाने का भी प्रयास किया लेकिन उसमें सफल नहीं हुई। राष्ट्रमंडल खेलों में पूरे देश को उनसे ऐसे ही स्वर्णिम प्रदर्शन की उम्मीद थी। सोना जीतने पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी उन्हें असाधारण बताते हुए कहा है कि प्रत्येक भारतीय बर्मिंघम खेलों में उनके नया रिकॉर्ड बनाने तथा स्वर्ण पदक जीतने से हर्षित है और उनकी यह सफलता अनेक भारतीयों के लिए प्रेरणा है, खासकर उभरते खिलाड़ियों के लिए। मणिपुर की 27 वर्षीया स्टार वेट लिफ्टर मीराबाई चानू की यह जीत भारत के लिए इसलिए भी बड़ी उपलब्धि है क्योंकि उन्होंने इन खेलों में लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतकर हर भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा किया है। इससे पहले पिछले साल ओलम्पिक खेलों में भी रजत पदक जीतकर उन्होंने भारत को गौरवान्वित किया था। चानू पीवी सिंधू के बाद दूसरी ऐसी भारतीय महिला खिलाड़ी हैं, जिसने ओलम्पिक के अब तक के इतिहास में रजत पदक जीता। टोक्यो ओलम्पिक के पहले ही दिन चानू की जीत भारत के लिए इसलिए भी गौरवान्वित करने वाली थी क्योंकि इससे पहले भारत ओलम्पिक खेलों में पहले दिन कभी कोई पदक जीतने में सफल नहीं हुआ था। चानू की ऐतिहासिक जीत के बाद भारत पदक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया था और ऐसी उपलब्धि देश को उससे पहले कभी हासिल नहीं हुई थी। हालांकि 2016 के रियो ओलम्पिक में हार के बाद चानू को गहरा सदमा लगा था और उस हार के बाद वह इस कदर टूट गई थी कि उन्हें लगने लगा था कि ओलम्पिक में उनका सफर वहीं खत्म हो गया है। उस हार के बाद चानू मंच से रोती हुई गई थी लेकिन टोक्यो ओलम्पिक के लिए उनके बुलंद हौंसलों का परिचय तभी मिल गया था, जब उन्होंने ओलम्पिक की तैयारी के दौरान सोशल मीडिया पर अपनी एक पोस्ट में लिखा था, 'मेहनत लगती है, चोट भी लगती है, असफलता का अनुभव होता है....लेकिन सफलता की राह कभी भी किसी के लिए आसान नहीं होती!' रियो ओलम्पिक की हार की हताशा से उबरने के बाद चानू बुलंद हौंसलों के साथ ऐसी 'आयरन लेडी' बनकर उभरी कि ओलम्पिक में भारोत्तोलन में उन्होंने न केवल भारत का 21 वर्ष का सूखा खत्म किया बल्कि भारोत्तोलन में रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी भी बनी।

जैकलीन फर्नांडीज ने गायों के साथ गोशाला में मनाया अपना जन्मदिन

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज 11 अगस्त को 37 साल की हो गईं। अभिनेत्री ने अपना जन्मदिन एक पशु आश्रय में पशुओं के साथ मनाया। जैकलीन ने अपने जन्मदिन पर एक इंस्टाग्राम रील साझा की जिसमें वह एक गाय को सहलाती हुई देखी जा सकती हैं। अभिनेत्री एक पशु आश्रय में अपना समय बिताकर खुश थी और उसने उन सभी को धन्यवाद दिया जो उसकी यात्रा का हिस्सा रहे हैं। अभिनेत्री जिन्हें आखिरी बार किच्छा सुदीप-स्टारर विक्रांत रोना में गदंग रक्कम्मा के रूप में देखा गया था। जैकलीन फर्नांडिस ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया और बताया कि उन्होंने अपना 37 वां जन्मदिन कैसे बिताया। जैकलीन ने गोशाला में बिताया 37वां जन्मदिन अभिनेत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए दोस्तों और प्रशंसकों ने पोस्ट के टिप्पणी अनुभाग में खूब कमेंट किए। जैकलीन फर्नांडीज, जिसे व्यापक रूप से बॉलीवुड के सबसे अधिक मांग वाले सितारों में से एक माना जाता है, ने विक्रांत रोना में एक विशेष भूमिका के साथ कन्नड़ फिल्म उद्योग में प्रवेश किया। जैकलीन ने अब खुलासा किया है कि उन्होंने इस अनुभव का भरपूर आनंद लिया। अभिनेत्री ने ट्विटर पर लिखा कि उन्होंने अपने पहले कन्नड़ गाने की 'शूटिंग' करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने एक अद्भुत सह-कलाकार होने के लिए किच्छा सुदीप की प्रशंसा की।

अगले जन्म बिटिया ही कीजो एक्ट्रेस लाली के साथ दिल्ली में घटी थी खौफनाक घटना

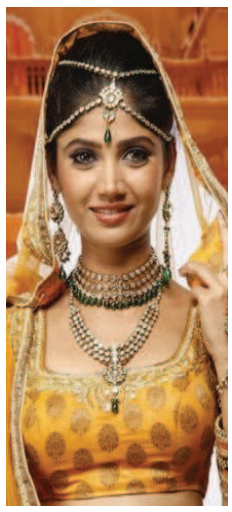

अगले जन्म बिटिया ही कीजो में लाली का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस रतन राजपूत ने टीवी इंडस्ट्री से बहुत दूरी बना ली हैं। इस समय वह अपने यूट्यूब चैनल से वीडियो और व्लॉग्स बनाती है और अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं। इसी बीच उन्होंने एक लेटेस्ट वीडियो अपलोड किया है जिसमें वह अपने साथ हुए एक खौफनाक घटना का जिक्र कर रही हैं। इसे सुनकर शायद आप भी काफी हैरान हो जाएंगे की ये रतन के साथ ऐसे कैसे हो सकता है। एक्ट्रेस अपने इस व्लॉग से काफी सुर्खियों में बनी हुई है। रतन ने अपने व्लॉग में बताया कि, उन्होंने एक नया फोन खरीदा है और इसके साथ ही उन्हें अपनी जिंदगी में हुए खौफनाक मंजर की याद भी दिलाता है। रतन ने बताया कि जब वह दिल्ली में रहा करती थी तो उन्होंने पहली बार 4 हजार का नोकिया फोन खरीदा था और ये फोन उनकी फैमिली में पहला फोन था, जिसे छीन लिया गया। जी हां, आपने सही सुना है। बता दें कि रतन का फोन सरेआम छीन लिया गया था। आज भी जब रतन इस घटना को याद करती है तो वह डर जाती हैं। अपने व्लॉग में एक्ट्रेस ने बताया कि, एक दिन मंडी हाउस में ड्रामा प्रैक्टिस करने के बाद घर लौट रही थीं और फोन पर अपनी मां से बात कर रही थी की तभी एक लड़का आया और रतन का फोन छीनने लगा। रतन जोर-जोर से चिल्लाने लगी लेकिन कोई भी उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया। लोग बस खड़े होकर तमाशा देख रहे थे। रतन ने आगे कहा कि 'जब मेरी कोई मदद के लिए आगे नहीं आया तो मैं ही खुद उस लड़के के पीछे भागी और भागते हुए काफी दुर तक आ गई। इस बीच एक लड़का आ गया तो मैंने मदद की गुहार लगाई लेकिन वह मेरा हाथ पकड़कर मुझे जंगल की ओर ले जाने लगा। जंगल की तरफ खींचते हुए वह लड़का कह रहा था कि 'आ तेरा फोन दिलवाता हूं और मुझे घसीट कर ले जाने लगा। मैंने कैसे भी करके अपने आपको बचाया और अपना हाथ छुड़ाकर सड़क की ओर भागने लगीं। काफी मशक्कत के बाद रतन राजपूत किसी तरह दो लड़कों की मदद से अपने घर पहुंचने में कामयाब हुई।

राजू श्रीवास्तव की तबीयत में नहीं हो रहा सुधार, अभी भी है वेंटिलेटर पर

लोकप्रिय हास्य अभिनेता राजू श्रीवास्तव की हालत नाजुक है और वह लगातार दूसरे दिन भी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में जीवन रक्षक प्रणाली पर हैं। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बुधवार को दिल का दौरा पड़ने के बाद 58 वर्षीय श्रीवास्तव को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी एंजियोप्लास्टी की गई। एक सूत्र ने बताया ''श्रीवास्तव की हालत नाजुक है और वह आईसीयू में जीवन रक्षक प्रणाली पर हैं।'' श्रीवास्तव का इलाज कार्डियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. नितीश नाइक की निगरानी में किया जा रहा है। राजू श्रीवास्तव के भाई अशोक श्रीवास्तव ने बुधवार को बताया था कि हास्य कलाकार को व्यायाम करते समय दिल का दौरा पड़ा।

'पठान' से सामने आया दीपिका पादुकोण का लुक

शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान, जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका में हैं। इसी बीच दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम पर अपना एक मोशन पोस्टर शेयर किया है। ये पोस्टर 'पठान' फिल्म का है, जिसे देख फैंस काफी एक्सइटेड हो गए हैं। इस पोस्टर में दीपिका काफी इंटेंस लुक में नजर आईं। उनका ये एक्शन लुक सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। कमेंट सेक्शन में फैंस फायर इमोजी के साथ अपनी एक्साइटमेंट दिखा रहे हैं। बता दें, शाहरुख खान दीपिका पादुकोण की ये फिल्म 25 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'डार्लिंग्स' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंची आलिया भट्ट

आलिया भट्ट की अपकमिंग फिल्म 'डार्लिंग्स' का ट्रेलर हाल ही में लॉन्च किया गया है। लॉन्च के पहले आलिया ने सोशल मीडिया पर अपने नए लुक में पिक्चर्स शेयर की हैं। फोटोज में एक्ट्रेस येलो कलर की ड्रेस में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट के बाद आलिया की यह पहली पब्लिक अपीयरेंस होगी। आलिया इस बेल शेप्ड ड्रेस में पोज देते हुए नजर आ रही हैं। साथ ही उनका बेबी बंप भी इस ड्रेस में छिप गया है। उन्होंने अपने लुक को पोनीटेल और लाइट मेकअप के साथ पूरा किया है। फोटो शेयर करते हुए आलिया ने लिखा, 'यह डार्लिंग्स का दिन है।' आलिया ने पिछले महीने अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर सोनोग्राफी करवाते हुए एक फोटो शेयर की थी। फोटो में रणबीर कपूर में उनके साथ नजर आ रहे थे। आलिया ने कैप्शन में लिखा, 'हमारा बेबी जल्द आने वाला है।' आलिया और रणबीर की शादी 14 अप्रैल 2022 को क्लोज फ्रेंड्स और फैमिली के बीच हुई थी।

रक्षाबंधन पर रितिक रोशन ने बहनों को बांधी राखी

देशभर में रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम से सेलिब्रेट किया गया। बॉलीवुड सुपरस्टार रितिक रोशन ने भी अपनी बहनों के साथ रक्षाबंधन मनाया। रितिक को अक्सर सोशल मीडिया पर अपने बिहाइंड द कैमरा लाइफ की झलक शेयर करते हुए देखा गया हैं। इसके अवाला रितिक फैमिली के साथ लंच मील्स, डिनर आउटिंग्स और हॉलीडेज़ भी एंजॉय करते देखे जाते हैं। ऐसे में रक्षाबंधन के खास मौके पर रितिक ने अपनी सिस्टर्स के साथ कुछ थ्रोबैक दिल छू लेने वाली फोटोज पोस्ट की। इन तस्वीरों में सुपरस्टार अपनी बहनों के साथ राखी सेलिब्रेट करते दिखाई दे रहे हैं। इन तस्वीरों में खास बात यह है कि बहनें उन्हें नहीं बल्कि रितिक अपनी बहनों की कलाई पर राखी बांधते नजर आ रहे हैं। इसके साथ रितिक रोशन ने लिखा, 'इस साल बहनों और भाइयों ने एक-दूसरे को राखी बांधी। रक्षा दोनों तरह से होती है। सभी को राखी मुबारक! 1996 का वो पल, हम आज भी वैसे ही दिखते हैं।' सुपरस्टार ने हमेशा अपनी बहनों के साथ एक मजबूत बंधन साझा किया है और जीवन में उनके चुनौतीपूर्ण फेज के दौरान उनके लिए उनकी ताकत बनकर हमेशा उनके साथ खड़े रहें हैं।

गोविंदा ने करण जकोबताया था डेविड धवन से भी ज्यादा खतरनाक

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा का एक पुराना इंटरव्यू काफी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने करण जौहर को जेलेस और खतरनाक कहा था। दरअसल फिल्ममेकर डेविड धवन और गोविंदा की जोड़ी एक समय पर बहुत फेमस थी। लेकिन कुछ समय बाद उनके रिश्ते में मनमुटाव आ गए। अब पुराने इंटरव्यू में गोविंदा ने फिल्ममेकर करण जौहर पर भी निशाना साधा था। बातचीत के दौरान उन्होंने करण की तुलना डेविड धवन से की थी। गोविंदा से जब पूछा गया कि क्या वो 'कॉफी विद करण' में जाएंगे, तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'अगर वो मुझे अपने शो में बोलते हैं, तो ये सम्मान की बात होगी। वो दिखाते हैं कि वो बहुत विनम्र और मासूम हैं, लेकिन वो डेविड से ज्यादा जेलेस और खतरनाक हैं।' गोविंदा ने आगे कहा, 'उन्होंने मुझे पिछले 30 सालों में कभी कॉल नहीं किया। वो कभी भी ऐसे लोगों से बातचीत नहीं करते, जो उनके ग्रुप का नहीं है। मुझे डाउट है कि वो लोगों को हैलो तक नहीं बोलते होंगे। वो जितना दिखाते हैं, उतने दयालु नहीं हैं। मुझे वो कभी सीधे नहीं लगते।'

असम में स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाएंगे आमिर खान

इस साल पूरा देश भारत की आजादी के 75 साल बड़े धूमधाम से मना रहा है। ऐसे में नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, असम के मुख्यमंत्री - हिमंत बिस्वा सरमा ने सुपरस्टार आमिर खान और लाल सिंह चड्ढा टीम को असम में भारत के 75 वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने के लिए व्यक्तिगत निमंत्रण दिया है। स्वतंत्रता दिवस के उत्साह को बढ़ाते हुए, आमिर खान असम के मुख्यमंत्री के साथ प्रतिष्ठित ध्वजारोहण समारोह में शामिल होंगे। जिसके बाद, असम के माननीय मुख्यमंत्री अगले दिन आमिर खान की 'लाल सिंह चड्ढा' भी देखेंगे। भारत स्वतंत्रता दिवस 2022 को बड़े पैमाने पर मना रहा है, क्योंकि इस वर्ष देश स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे कर रहा है। 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने के लिए देश भर में बड़ी संख्या में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म की रिलीज से पहले सोशल मीडिया पर जमकर बायकॉट करने की मांग की जा रही हैं। 'लाल सिंह चड्ढा' को फिल्म क्रिटिक और ट्रेड एनालिस्ट से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है।

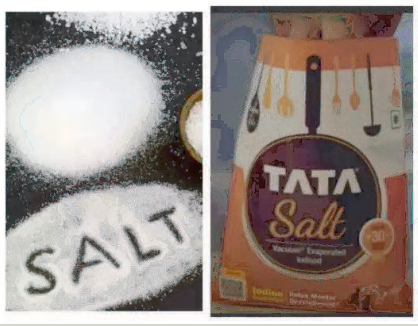

टाटा नमक होगा महंगा, मजबूरी में लिया फैसला

महंगाई के जख्मों पर अब महंगा नमक

नई दिल्ली। पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता को अब नमक की कीमत झटका देने वाली है। नमक बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने टाटा सॉल्ट के दाम बढ़ाने के संकेत दिए हैं। टाटा नमक देश में सबसे ज्यादा बिकने वाला नमक है। महंगाई के कारण टाटा नमक के मार्जिन पर असर पड़ा है। इसी को देखते हुए कंपनी ने यह फैसला लिया जा रहा है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के एमडी और सीईओ सुनील डिसूजा ने कहा है कि टाटा नमक की कीमतें बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई के दबाव से निपटने और मार्जिन को सुरक्षित करने के लिए कंपनी को यह फैसला मजबूरी में लेना पड़ा है। हालांकि कंपनी की ओर से यह नहीं बताया गया है कि कंपनी की कीमतें कब और कितनी बढ़ेंगी? फुटकर बाजार में एक किलो टाटा नमक की कीमत 28 रुपये प्रति किलो है। एक अनुमान के अनुसार टाटा नमक के दाम बढ़कर 30 से 32 रुपये तक हो सकते हैं।

- ब्राइन और एनर्जी निर्धारित करती हैं नमक के दाम

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के एमडी और सीईओ सुनील डिसूजा के अनुसार दो चीजें नमक के दाम को निर्धारित करती हैं। इनमें एक है ब्राइन और दूसरा एनर्जी। ब्राइन के दाम फिलहाल स्थिर हैं, लेकिन एनर्जी के दामों ले लगातार बढ़ोत्तरी होती जा रही है। इस कारण नमक की कीमतें बढ़ाने की नौबत आ गई है। सुनील डिसूजा के मुताबिक कीमतें बढ़ाने का फैसला कम्पनी को मजबूरी में लेना पड़ रहा है।

टाटा पावर ने शत प्रतिशत अक्षय खरीद दायित्व को पूरा किया

नई दिल्ली । वितरण कंपनी टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड ने नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के जरिए 220 करोड़ यूनिट की हरित ऊर्जा प्राप्त करने का दावा किया है। टाटा पावर ने इसी के साथ दावा किया कि वह लगातार दूसरे वर्ष शत प्रतिशत अक्षय खरीद दायित्व (आरपीओ) का अनुपालन करने वाली बिजली वितरण कंपनी बन गई है। कंपनी ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि हमने सौर, पवन, पनबिजली और अपशिष्ट से ऊर्जा पैदा करने जैसे जैसे अक्षय स्रोतों से 220 करोड़ यूनिट की हरित ऊर्जा प्राप्त की है। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2021-22 के आरपीओ के अनुपालन को पूरा किया है। कंपनी ने दावा किया कि यह उसके परिचालन क्षेत्र में उपभोक्ताओं को बेची गई कुल बिजली यूनिट का लगभग 25 प्रतिशत है।

जॉनसन एंड जॉनसन 2023 से पूरी दुनिया में बंद कर देगी बेबी पाउडर की बिक्री

नई दिल्ली । जॉनसन एंड जॉनसन 2023 में पूरी दुनिया में अपने बेबी टैल्कम पाउडर की बिक्री बंद कर देगी। कंपनी ने कहा कि अमेरिका में चल रहे हजारों कंज्यूमर सेफ्टी केस के चलते प्रॉडक्ट की बिक्री बंद कर दी गई है। कंपनी ने कहा कि दुनिया भर के देशों में बेचा जाने वाला बेबी पाउडर अब बाजार से हटा लिया जाएगा। कंपनी ने अमेरिका और कनाडा से इस पाउडर की बिक्री 2020 में ही बंद कर दी है। इस पाउडर में एस्बेस्टस का एक प्रकार का हानिकारक फाइबर मिला था, जिसे कैंसर होने की वजह माना जा रहा था। इस मामले में कंपनी पर 35 हजार महिलाओं ने बच्चेदानी का कैंसर होने के आरोप में केस किए थे। इसकी वजह से अमेरिका में इसकी मांग काफी कम हो गई थी। इस पर कंपनी ने सेल घटने का बहाना बना 2020 में अमेरिका व कनाडा में बेबी पाउडर बेचना बंद कर दिया, लेकिन कंपनी आज भी ब्रिटेन सहित दुनिया के बाकी देशों में इसे बेच रही है। अमेरिका की एक कोर्ट ने इस पाउडर से ओवरीन कैंसर होने के कारण कंपनी पर 15 हजार करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में यह उछाल रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और टाटा स्टील जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयरों में तेजी से आया है। शुरूआती कारोबार में बाजार में गिरावट रही जबकि अंत में इसमें तेजी आई। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का तीस शेयरों वाला सेंसेक्स 130.18 अंक करीब 0.22 फीसदी ऊपर आकर 59,462.78 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार प्रचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 39.15 अंक तकरीबन 0.22 फीसदी की बढ़त के साथ ही 17,698.15 अंक पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार, दुनिया भर के बाजारों और विदेशी पूंजी प्रवाह में आये सकारात्मक रुख से भी घरेलू बाजारों को बल मिला हालांकि इसके बाद भी सूचना प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। साथ ही कहा कि निवेशकों ने औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़े जारी होने से पहले दिग्गज कंपनियों के शेयरों में खरीदारी की है। सेंसेक्स के शेयरों में एनटीपीसी में सबसे अधिक 3.26 फीसदी की वृद्धि हुई। वहीं टाटा स्टील, पावरग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई और आईटीसी के शेयर भी लाभ में रहे जबकि दूसरी ओर इंफोसिस, मारुति, एलएंडटी, टेक महिंद्रा, सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में गिरावट रही। दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की लाभ में रहा जबकि चीन को शंघाई कंपोजिट नुकसान में बंद हुआ। वहीं, यूरोप के प्रमुख बाजार शुरूआती कारोबार में मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में आये बदलावों के बीच ही देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को पेट्रोल 96.72 रुपये और मुंबई में 106.31 रुपये लीटर पर बना हुआ है हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में आ रही तेजी के कारण पेट्रोल-डीजल के दाम दोबारा बढ़ने की आशंका है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर बना हुआ है। वहीं मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर कायम है। चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर पर है। कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर और नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

त्रिपुरा में अनानास किसानों की बदल रहे किस्मत, खाड़ी देशों में बढ़ रहा है निर्यात

नई दिल्ली । पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में अनानास की खेती किसानों के लिए वरदान सिद्ध हो रही हैं। त्रिपुरा के अनानास की मिठास के कई देश कायल हैं। यही कारण है अब इनका निर्यात लगातार बढ़ रहा है। गुरुवार को ही त्रिपुरा ने करीब 14 करोड़ मूल्य के 9,909 टन अनानास की एक खेप दुबई, कतर और बांग्लादेश भेजी है। अनानास के अलावा त्रिपुरा कई दूसरे फल भी जर्मनी और इंग्लैंड सहित कई देशों को निर्यात कर रहा है। त्रिपुरा के किसान कले याण मंत्री प्रंजीत सिंह राय ने बताया कि राज्य से हॉर्टिकल्चर प्रोडक्ट्स का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। त्रिपुरा में सालाना 1.28 लाख टन अनानास का उत्पादन होता है। प्रदेश में करीब 8,800 हेक्टेयर में अनानास की खेती की जा रही है। इनमें से ज्यातार क्षेत्र में केव और क्रिन नामक वैरायटी की खेती की जा रही है। ये दोनों ही वैरायटी उच्च क्वालिटी की है। खासकर क्रिन की विदेशों में बहुत मांग है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 2018 में अगरतला में हुए एक समारोह में क्वीन वैरायटी को राज्य फल घोषित किया था। किसान मंत्री राय का कहना है कि त्रिपुरा के किसानों को किसान रेल और किसान उड़ान जैसी योजनाओं का बहुत फायदा हुआ है। इनसे त्रिपुरा के किसानों को अपने उत्पाद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहुंचाने में बहुत सहायता मिली है। भारतीय रेलवे 2020 से किसान रेल चला रही है। यह दूर-दराज के किसानों के उत्पाद को लेकर उन्हें बाजार मुहैया कराती है, जिससे किसानों को अच्छी आमदनी होती है। त्रिपुरा से दिल्ली और कोलकाता के लिए किसान रेल का संचालन किया जा रहा है। त्रिपुरा भारत का सबसे बड़ा अनानास उत पादक राज्य है। लेकिन, किसानों को बिक्री में काफी दिक्कत होती है। स्थानीय स्तर पर पूरा माल बिक नहीं पाता। इससे किसानों को नुकसान होता है। इसी को देखते हुए केंद्र और राज्य सरकार अनानास के निर्यात को बढ़ावा देने के प्रयास कर रही है।

आईसीआईसीआई बैंक की लगाई छलांग, मार्केट कैप 6 लाख करोड़ रुपये हुआ, शेयर भी 26 फीसदी उछले

मुंबई ।

प्राइवेट क्षेत्र के अग्रणी आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 6 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े पर पहुंच गया है। इस दौरान शेयर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। बैंक के शेयर दो महीनों में 26 फीसदी तक बढ़े हैं। इस तरह की उपलब्धि हासिल करने वाला यह देश का सातवां स्टॉक बन गया है। कल दोपहर बीएसई पर बैंक के शेयर 864 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे, जो पिछले बंद से 1.8 फीसदी अधिक था। इस साल अब तक स्टॉक में करीब 17 फीसदी की तेजी आई है। आईसीआईसीआई बैंक अब ऐसी कंपनियों में शामिल हो गई है, जिनका मार्केट कैप 6 लाख करोड़ रुपये है। ओवरऑल रैंकिंग की बात करें तो बैंक अभी छठे नंबर पर है। पिछले एक महीने में बीएसई सेंसेक्स सिर्फ 9.75 फीसदी चढ़ा है, इसके मुकाबले आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों का रिटर्न 12 फीसदी रहा है। इससे पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर ने यह उपलब्धि हासिल की है। भारतीय जीवन बीमा निगम ने भी अपने इश्यू की कीमत 949 रुपये प्रति शेयर के बाद 6 ट्रिलियन एम-कैप से हासिल कर दिया था। बेहतर एसेट क्वालिटी और कम प्रावधानों के साथ बैंक अपेक्षित आय से बेहतर रिपोर्ट जारी रखने के बाद स्टॉक निवेशकों का पसंदीदा बना रहा। बैंक की ओर से हाल ही जारी की गई जून 2022 को समाप्त तिमाही की रिपोर्ट में बैंक का नेट प्रॉफिट 50 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6,905 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल के इसी टाइम पीरियड के दौरान 4,616.02 रुपये थे। कंपनी के नेट प्रॉफिट में बढ़ोतरी की सबसे बड़ी वजह बैड लोन प्रोविजन में कमी रही है। बैंक की जून तिमाही के लिए शुद्ध ब्याज आय 20.8 प्रतिशत बढ़कर 13,210 करोड़ रुपये हो गई है।

बैंक ने बताया कि जून तिमाही में उसका नेट इंटरेस्ट मार्जिन 4.01 फीसदी रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 3.89 फीसदी और मार्च 2022 तिमाही में 4 फीसदी था। इसके अलावा बैंक का नेट इंटरेस्ट इनकम (एनआईआई) जून तिमाही में 20.8 फीसदी बढ़कर 13,210 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 10,936 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही बैंक के एंडवासेंज में 23 फीसदी और डिपॉजिट में 13 फीसदी की तेजी सालाना आधार पर दर्ज की गई है।

अब किरायेदारों को भी चुकाना होगा 18 फीसदी जीएसटी

नई दिल्ली ।

अब आवासीय संपत्ति किराये पर लेकर रहने वाले किरायेदारों को किराए के साथ 18 फीसदी जीएसटी भी भुगतान करना पड़ेगा। यह फैसला पिछले महीने 18 जुलाई से लागू हो चुका है। परंतु इस फैसले में यह कहा गया है कि ये टैक्स केवल उन्हीं किरायेदारों को भुगतना होगा, जो किसी बिजनेस के लिए जीएसटी के तहत रजिस्टर्ड हैं और जो जीएसटी भरने वाली श्रेणी में आते हैं। पहले के नियम के मुताबिक, कमर्शियल प्रॉपर्टी जैसे कि ऑफिस या रिटेल स्पेस जैसी जगहों को किराये पर लेने पर लीज पर जीएसटी लगता था। रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी को चाहे कोई कॉरपोरेट हाउस किराये पर ले या फिर कोई सामान्य किरायेदार, इस पर कोई जीएसटी नहीं लगता था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जो नियम 18 जुलाई 2022 से लागू हुए हैं, उनके मुताबिक, जीएसटी रजिस्टर्ड किरायेदार को रिवर्स चार्ज मैकेनिज़्म के तहत टैक्स भरना होगा। वह इनपुट टैक्स क्रेडिट के तहत डिडक्शन दिखाकर जीएसटी क्लेम कर सकता है। यह भी बता दें कि यह 18 प्रतिशत जीएसटी तभी लागू होगा जब किरायेदार जीएसटी के तहत रजिस्टर्ड हो और जीएसटी रिटर्न भरने वाली कैटेगरी में आता है। नए जीएसटी कानून के तहत रजिस्टर्ड किरायेदार की श्रेणी में सामान्य और कॉरपोरेट संस्थाएं सब शामिल होंगी। सालाना टर्नओवर निर्धारित सीमा से ऊपर पहुंच जाने पर बिजनेस मालिक को जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। निर्धारित सीमा क्या है, यह उस बिजनेस पर निर्भर करता है। सेवाएं दे रहे बिजनेस मालिकों के लिए सालाना लिमिट 20 लाख रुपये का टर्नओवर है। वहीं, सामान बेच रहे या सप्लाई कर रहे बिजनेस मालिकों के लिए यह लिमिट 40 लाख रुपये है। हालांकि, अगर यह किरायेदार उत्तरपूर्वी राज्यों या विशेष दर्जा प्राप्त वाले राज्य में रहता है तो उसके लिए टर्नओवर की निर्धारित सीमा सालाना 10 लाख रुपये है।

चंडीगढ़ में हुई जीएसटी परिषद की 47वीं बैठक के बाद लागू इस नए बदलाव का असर ऐसी कंपनियों या कारोबारियों पर होगा, जिन्होंने अपने बिजनेस के लिए रेजिडेंशिल प्रॉपर्टी को रेंट या लीज पर लिया है। वहीं, ऐसी कंपनियां भी इस लागत को वहन करेंगी जो रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी को किराये पर लेकर इसे गेस्ट हाउस की तरह इस्तेमाल करती हैं या फिर कर्मचारियों के लिए रहने की जगह उपलब्ध कराती है। कर्मचारियों को मुफ्त में रहने की जगह देने वाली कंपनियों पर इससे लागत बढ़ जाएगी।

एक्टिवा को बेहतर लुक और लेटेस्ट फीचर्स के साथ बाजार में उतारेगा होंडा

नई दिल्ली।

होंडा 2 व्हीलर्स ने अपनी नई स्ट्रीट बाइक होंडा सीबी300 एफ लॉन्च करने के साथ ही अपने नए स्कूटर का टीजर भी जारी किया है। इस टीजर के साथ कयासों का दौर भी शुरू हो गया है। खबर आ रही है कि होंडा जल्द ही भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाले स्कूटर एक्टिवा को बेहतर लुक और लेटेस्ट फीचर्स के साथ बाजार में उतारेगा। संभव है कि होंडा एक्टिवा को इस बार इलेक्ट्रिक अवतार में लॉन्च किया जाए।

होंडा ने अपकमिंग स्कूटर के टीजर देखें तो पहली नजर में इसका फ्रंट शिलहौट बिल्कुल एक्टिवा की तरह है और हेडलैंप और रियर व्यू मिरर्स के साथ ही टर्न इंडिकेटर्स और हैंडलबार एक्टिवा की तरह दिखते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो नेक्स्ट जेनरेशन एक्टिवा, यानी होंडा एक्टिवा 7जी में मौजूदा एक्टिवा 6जी के मुकाबले कुछ कॉस्मेटिक बदलाव और नए फीचर्स देखने को मिलने की उम्मीद है। एक्टिवा 7जी में 109.51सीसी सिंगल सिलिंडर इंजन देखने को मिल सकता है जो कि फ्यूल इंजेक्शन टेक्नॉलजी और साइलेंट स्टार्ट सिस्टम के साथ आएगा। इस स्कूटर में 12 इंच की फ्रंट व्हील के साथ ही और काफी कुछ खास देखने को मिलेगा। इन सबके बीच होंडा 2व्हीलर्स ने सोमवार को नई बाइक भी लॉन्च की जो कि सीबी300एफ है।

इस स्ट्रीट बाइक को डीलक्स और डीलक्स प्रो जैसे वेरिएंट में पेश किया गया है और इनकी कीमतें 2.26 लाख रुपये से शुरू होती है। टॉप वेरियंट की कीमत 2.29 लाख रुपये है।

टीवीएस अपना दूसरा इलेक्ट्रिक स्कूटर करेगा लॉन्च

-बेहतर बैटरी रेंज वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर का हो रहा इंतजार

नई दिल्ली ।

टीवीएस कंपनी अपना दूसरा इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। यह स्कूटर साल 2018 ऑटो एक्सपो में शोकेस क्रेऑन पर बेस्ड हो सकता है। फिलहाल आपको अपकमिंग टीवीएस क्रेऑन के बारे में बताएं तो यह मैक्सी स्कूटर सेगमेंट में आ सकता है और इसमें शार्प लुक और डिजाइन देखने को मिलेंगे। प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में आ रहे टीवीएस क्रेऑन में बड़ा टचस्क्रीन पैनल दिया जा सकता है। इसके साथ ही स्टेप-अप सीट डिजाइन, इंटिग्रेटेड ग्रैब रेल्स और रेक्टेंगुलर रियर व्यू मिरर देखने को मिलेंगे और मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो टीवीएस क्रेऑन इलेक्ट्रिक स्कूटर में टीवीएस स्मार्टोक्सोनेक्ट ऐप के जरिये अलेक्सा वॉयस कमांड, लाइव वीइकल ट्रैकिंग, जियो फेंसिंग, क्रैश अलर्ट, एंटी थेफ्ट अलर्ट, नैविगेशन असिस्ट और लास्ट पार्कड लोकेशन समेत कई खास खूबियों से लैस होगा। बता दें कि टीवीएस क्रेऑन को कंपनी टीवीएस आईक्यूब की तुलना में ज्यादा बड़ी बैटरी पैक के साथ लॉन्च कर सकती है और जिससे इसकी रेंज भी बेहतर होगी। माना जा रहा है कि टीवीएस के इस स्कूटर को सिंगल चार्ज पर ईको मोड में 150 किलोमीटर तक चला सकेंगे। वहीं, इसकी टॉप स्पीड 100 केएमपीएच तक होने की उम्मीद है। मालूम हो कि हाल ही में बेंगलुरु में टीवीएस क्रेऑन इलेक्ट्रिक स्कूटर की टेस्टिंग की तस्वीर सामने आई थी और जिसके बाद से चर्चाओं का बाजार गर्म है और लोग टीवीएस आईक्यूब के बाद बेहतर बैटरी रेंज वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर का इंतजार कर रहे हैं।

ग्राहकों को पसंद आ रही ग्रैंड विटारा और नई ब्रेजा एसयूवी

-दोनों की हो चुकी है एक लाख से अधिक बुकिंग

नई दिल्ली ।

ग्राहकों को मारुति सुजुकी कंपनी की दोनों ही ग्रैंड विटारा और नई ब्रेजा एसयूवी खूब पसंद आ रही हैं। दोनों एसयूवी की एक लाख से अधिक बुकिंग अब तक हो चुकी है। कंपनी ने हाल ही में ग्रैंड विटारा को पेश किया है। उससे पहले कंपनी ने नई ब्रेजा को मार्केट में उतारा था। दोनों गाड़ियों की ऑनलाइन बुकिंग हो रही है। मारुति सुजुकी दोनों एसयूवी के दम पर भारतीय मार्केट में इस सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में जुटी है। ग्राहकों के बीच अब तक दोनों ही एसयूवी का बढ़िया रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है। अब तक ग्रैंड विटारा की 26,000 से अधिक यूनिट की बुकिंग हो चुकी है। वहीं, नई ब्रेजा को अब तक 75,000 से अधिक लोगों ने बुक किया है।

दोनों को मिलाकर कंपनी को एक लाख से अधिक यूनिट के ऑर्डर मिल चुके हैं। हर रोज दोनों ही एसयूवी की जमकर बुकिंग हो रही है। 11 जुलाई से ग्रैंड विटारा की बुकिंग की शुरुआत हुई थी। वहीं, नई ब्रेजा के लिए बुकिंग 21 जून से शुरू हुई थी। ग्रैंड विटारा की बुकिंग का आंकड़ा तीन सप्ताह के भीतर 20,000 हजार के पार चला गया था। नई एसयूवी ग्रैंड विटारा को 11,000 रुपये में बुक किया जा सकता है। ग्रैंड विटारा की अनुमानित कीमत 9.5 लाख रुपये (एक्स-शो रूम) हो सकती है। इसमें कंपनी वेंटिलेटेड सीट, मल्टीपल ड्राइविंग मोड जैसे फीचर्स भी दे रही है। ग्रैंड विटारा मिड-साइज एसयूवीमारुति सुजुकी की पहली ऐसी कार होगी, जो हाइब्रिड इंजन के साथ आएगी।नई ब्रेजा को लॉन्च के पहले ही दिन अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पहले ही इसकी 4,500 यूनिट बुक हुई थीं।

लॉन्च के बाद इसकी बुकिंग का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। कंपनी ने इस कार की बुकिंग, बीते 21 जून को शुरू की थी, जबकि 30 जून को इसे लॉन्च किया गया था। नई ब्रेजा को सिर्फ 11,000 रुपये देकर बुक किया जा सकता है।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक शशांक श्रीवास्तव ने बताया कि ग्रैंड विटारा के मजबूत हाइब्रिड वैरिएंट को लेकर लोगों में दिलचस्पी देखने को मिल रही है। उन्होंने बताया कि अब तक बुक ग्रैंड विटारा में से आधी प्री-बुकिंग हाइब्रिड वैरिएंट की हुई है।

हुंडई यूएस में एआई रिसर्च सेंटर बनाने के लिए 42.4 करोड़ डॉलर खर्च करेगी

सोल। हुंडई मोटर ने शुक्रवार को कहा कि वह रोबोटिक्स प्रौद्योगिकी में अपनी बढ़त को बढ़ाने के लिए अमेरिका में एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अनुसंधान केंद्र बनाने के लिए 42.4 करोड़ डॉलर खर्च करेगी। हुंडई की नियामक फाइलिंग से पता चला है कि हुंडई मोटर, किआ और हुंडई मोबिस (हुंडई के तीन प्रमुख ऑटो सहयोगी) बोस्टन में स्थित एआई केंद्र के लिए क्रमशः 21.19 करोड़ डॉलर, 12.71 करोड़ डॉलर और 8.47 करोड़ डॉलर का निवेश करेंगे। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एआई केंद्र, जिसे अस्थायी रूप से बोस्टन डायनेमिक्स एआई इंस्टीट्यूट का नाम दिया गया है, उसका नेतृत्व बोस्टन डायनेमिक्स के संस्थापक और पूर्व प्रमुख मार्क रायबर्ट करेंगे, जिसने पिछले साल अमेरिकी रोबोटिक्स कंपनी हुंडई का अधिग्रहण किया था। हुंडई मोटर के चेयरमैन यूइसुन चुंग के नेतृत्व में, ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर और संबंधित गतिशीलता प्रौद्योगिकियों के विकास में भारी निवेश कर रही है, जिसमें सॉफ्टवेयर परिभाषित वाहन (एसडीवी) शामिल हैं, एक अवधारणा है कि वाहन की सॉफ्टवेयर क्षमता कार और ड्राइविंग की गुणवत्ता को परिभाषित करेगी।एक अलग घोषणा में, हुंडई ने कहा कि वह सेल्फ-ड्राइविंग, विद्युतीकरण और अन्य उन्नत ऑटो प्रौद्योगिकियों में विस्तार की दिशा में प्रयासों में तेजी लाने के प्रयास में दक्षिण कोरिया में एक नया सॉफ्टवेयर केंद्र भी स्थापित करेगी। योजना के हिस्से के रूप में, हुंडई ने कहा कि उसने हाल ही में सोल में स्वायत्त ड्राइविंग सॉफ्टवेयर और मोबिलिटी प्लेटफॉर्म स्टार्टअप 42 डोओटी का अधिग्रहण किया है, जो 274.6 अरब वोन (21.11 करोड़ डॉलर) का है।

भारत से मुकाबले को लेकर अतिरिक्त दबाव नहीं

लाहौर । भारत और पाकिस्तान की टीम दुबई में एशिया कप में 28 अगस्त को आमने-सामने होगी। इस मुकाबले को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने कहा है कि उनकी टीम इस मैच को अन्य मैचों की तरह ही लेगी। आजम ने कहा कि इस मैच को लेकर उनके ऊपर किसी प्रकार का अतिरिक्त दबाव नहीं है। उन्होंने कहा कि कि हमारा प्रयास रहता है कि मैच को मैच की तरह ही खेला जाये। इससे आगे हम कुछ और नहीं सोचते। गौरतलब है कि पिछले साल टी20 विश्व कप के लीग मुकाबले में पाक ने भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया था। आजम ने पिछले साल टी20 विश्व कप में भारत पर मिली जीत को लेकर कहा,' पाक टीम एशिया कप में भी इसी सोच के साथ ही उतरेगी और केवल अपने खेल पर ही ध्यान देगी। उन्होंने कहा, हां, दबाव अलग होगा पर जैसा कि हमने पिछले विश्व कप में दबाव को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया था। इस बार भी हम ऐसा ही करने की कोशिश करेंगे। हमें एक टीम के तौर पर अपनी क्षमताओं पर पूरा विश्वास है। हमारे हाथ में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना है, परिणाम चाहें जो भी हो। एक बात साफ है कि अगर हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देंगे तो परिणाम हमारे पक्ष में ही आयेंगे।'

फीफा ने विश्व कप की शुरूआती तारीखों में बदलाव की पुष्टि की

बर्लिन। फीफा ने पुष्टि की है कि 2022 विश्व कप के शुरूआती मैच में मेजबान कतर को इक्काडोर का सामना करने की अनुमति देने के लिए योजना से एक दिन पहले टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। कतर मूल रूप से सोमवार (21 नवंबर) को अपना पहला विश्व कप अभियान खेलने के लिए तैयार है। उस दिन ग्रुप ए प्रतिद्वंद्वियों सेनेगल और नीदरलैंड के बीच प्रतियोगिता शुरू करने के लिए निर्धारित किया गया था। लेकिन फीफा परिषद के ब्यूरो द्वारा लिए गए एक सर्वसम्मत निर्णय के कारण कतर टीम अब स्थानीय समयानुसार रविवार 20 नवंबर को शाम 7 बजे टूर्नामेंट का आगाज करेगा। इस बारे में डीपीए की रिपोर्ट में जानकारी दी गई है। उद्घाटन समारोह को भी एक दिन बढ़ाकर 20 नवंबर कर दिया गया है। फीफा द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, फीफा विश्व कप 2022 स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय प्रशंसकों के लिए और भी बड़े उत्सव के साथ शुरू होगा, क्योंकि मेजबान देश कतर अब रविवार, 20 नवंबर को इक्काडोर से खेलेगा। रिपोर्ट में कहा गया, निर्णय ने प्रतिस्पर्धा और परिचालन प्रभावों के मूल्यांकन के साथ-साथ एक संपूर्ण परामर्श प्रक्रिया, प्रमुख हितधारकों और मेजबान देश के साथ एक समझौते का पालन किया। इस फैसले से सेनेगल के खिलाफ नीदरलैंड के मैचों को 21 नवंबर को बाद के समय स्लॉट में स्थानांतरित कर दिया गया, और अब ग्रुप बी में इंग्लैंड का पहला मैच ईरान से होगा। विश्व कप के मेजबान जर्मनी में 2006 के सीजन के बाद से टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में शामिल हुए हैं, जहां जुर्गन क्लिंसमैन की टीम ने कोस्टा रिका को 4-2 से हराया था।

एकदिवसीय सीरीज के लिए भारत और जिम्बाब्वे ने घोषित की टीमें

हरारे ।

भारत और मेजबान जिम्बाब्वे ने 18 अगस्त से शुरु हो रही एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के लिए अपनी-अपनी टीमें घोषित कर दी हैं। भारतीय टीम की कप्तानी जहां लोकेश राहुल करेंगे , वहीं शिखर धवन उपकप्तान होंगे। दूसरी ओर जिम्बाब्वे की कमान रेगिस चकबवा संभालेंगे। भारत ने जहां नियमित कप्तान रोहित शर्मा के साथ ही विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया है। वहीं जिम्बाब्वे के नियमित कप्तान क्रेग इर्विन, ब्लेसिंग मुजरबानी, टेंडई चटारा और वेलिंगटन मसाकाड्जा चोटिल होने के कारण इस सीरीज में नहीं खेलेंगे। बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में टीम की कमान संभालने वाले रेगिस चकबवा इर्विन के नहीं होने पर एक बार फिर कप्तान की भूमिका निभाएंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं ।

भारत : लोकेश राहुल (कप्तान), शिखर धवन (उपकप्तान), रुतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, त्रिपाठी, ईशान किशन, संजू सैमसन, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप, अक्षर पटेल, अवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर।

जिम्बाब्वे :

रयान बर्ल, चकबवा, तनाका, चिवंगा, ब्रैडली इवांस, जोंगवे, कैआ, कैटानो, क्लाइव मडांडे, मधेवेरे, मारुमनी, जॉन मसारा, टोनी मुन्योंगा, नगारवा, न्याउची, सिकंदर रजा, मिल्टन शुंबा और डोनाल्ड ट्रिपानो।

राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने वाले सशस्त्र बलों के खिलाड़ियों से मिले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को भारतीय सशस्त्र बलों के उन खिलाड़ियों से मुलाकात की जिन्होंने हाल में ब्रिटेन के बर्मिंघम में समाप्त हुए राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लिया था। रक्षा मंत्री ने सशस्त्र बलों के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की और इसे 'शानदार' करार किया। भारत ने 28 जुलाई से आठ अगस्त तक हुए इन राष्ट्रमंडल खेलों में 18 स्वर्ण, 15 रजत और 22 कांस्य पदक जीते। सिंह ने ट्विटर पर लिखा, ''बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सैन्य बलों के खिलाड़ियों के साथ बातचीत शानदार रही। '' उन्होंने लिखा, ''उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से हर किसी को खुश किया और अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित किया। इन एथलीट को भविष्य के लिये सफलता हासिल करने के लिये शुभकामनायें। ''

केएल राहुल को पहली जीत का इंतजार, शिखर धवन है सफल कप्तान

नई दिल्ली ।

केएल राहुल को फिट होने के बाद भले ही जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम की कमान सौंपी गई हो लेकिन उन्हें अब भी अपनी कप्तानी में पहली जीत का इंतजार है जबकि शिखर धवन भारत के सफल कप्तानों में शामिल है जिन्हें पहले इस दौरे में टीम की अगुवाई करनी थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने राहुल को रोहित शर्मा के साथ तीनों प्रारूपों में उप कप्तान बना रखा है और इसलिए उनके फिट होने पर उन्हें जिम्बाब्वे दौरे के लिए धवन की जगह कप्तानी सौंपी गई। लेकिन राहुल ने अभी तक जिन चार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों में कप्तानी की है उन सभी में भारत को हार का सामना करना पड़ा। इनमें एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच शामिल हैं। दूसरी तरफ धवन ने छह एकदिवसीय मैचों में भारतीय टीम की कमान संभाली है जिनमें से पांच मैचों में टीम को जीत मिली। इसके अलावा धवन ने तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों में भी कप्तानी की है जिनमें उनका रिकॉर्ड एक जीत और दो हार है। धवन ने पिछले साल जुलाई में पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी की थी। वह हाल में वेस्टइंडीज के वनडे दौरे में भी टीम के कप्तान थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ जहां भारतीय टीम ने तीन वनडे की श्रृंखला में क्लीनस्वीप किया वहीं श्रीलंका के खिलाफ उसने श्रृंखला 2-1 से जीती थी। पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ भारतीय टीम टी20 श्रृंखला में 1-2 से हार गई थी। राहुल ने इस साल जनवरी में दक्षिण अफ्रीकी दौरे में रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में पहली बार भारतीय टीम की अगुवाई की थी। उनके नेतृत्व में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जो तीन वनडे मैच खेले थे उन सभी में उसे हार का सामना करना पड़ा था। इस दौरे के दूसरे टेस्ट मैच में तत्कालीन कप्तान विराट कोहली के पूरी तरह फिट नहीं होने के कारण राहुल को पहली बार टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी का मौका मिला था लेकिन भारत यह मैच सात विकेट से हार गया था। राहुल ने इस साल फरवरी के बाद कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला में खेलना था लेकिन कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए जाने के कारण वह नहीं खेल पाए थे।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने ठोका महिला हंड्रेड का पहला अर्धशतक

स्पोर्ट्स डेस्क । महिला हंड्रेड में ओवल इंविंसिबलेस वीमेन के खिलाफ भारतीय क्रिकेटर जेमिमा रोड्रिग्स ने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। जेमिमा ने नार्थन सुपरचार्जर वीमेन की तरफ से खेलते हुए फिफ्टी लगाई और महिला हंड्रेड में अर्धशतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बन गई। जेमिमा शानदार फार्म में हैं और हाल ही में वह राष्ट्रमंडल खेलों में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए नजर आई थी। नार्थन सुपरचार्जर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट गंवाकर कुल 143 रन बनाए। इस दौरान जेमिमा ने 32 गेंदों पर 8 चौकों की मदद से कुल 51 रन बनाए। जेमिमा के अलावा दक्षिण अफ्रीका की खिलाड़ी लौरा वोल्वाड्टों ने 39 गेंदों पर 49 रन की शानदार पारी खेली लेकिन अर्धशतक से चूक गई। इसके अलावा कोई अन्य खिलाड़ी खास कमाल नहीं दिखा सका। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओवल इंविंसिबलेस को विकेटकीपर बल्लेबाज लॉरेन विनफील्ड-हिल और सूजी बेट्स ने शानदार शुरूआत दी और पहले विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी की। 34 गेंदों पर 46 रन की पारी खेलने के बाद बेट्स आउट हो गई जिसके बाद ऐलिस कैप्सी की मैदान पर एंट्री हुई। उन्होंने 8 गेंदों पर 4 चौकों और एक छक्के की मदद से 25 रन की धमाकेदार पारी खेलते हुए हिल (42 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्के की मदद से 74 रन) के साथ 16 गेंदें रहते जीत दर्ज कर वापस लौटीं।

अनिर्बान लाहिड़ी 71 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त 81वें स्थान पर

मेम्फिस । भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी फेडएक्स सेंट जूड चैम्पियनशिप के शुरुआती दौर में एक ओवर 71 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 86 वें स्थान पर है। लाहिड़ी ने फेडएक्स 'प्ले-ऑफ्स' में शीर्ष 10 में रहने के कारण इस टूर्नामेंट का टिकट कटाया था। उन्हें हालांकि कट में जगह बनाने के लिए दूसरे दौर में काफी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। एशियाई चैलेंजर सी वू किम ने इस दौरान 168 यार्ड की दूरी से शानदार ईगल लगाया। वह आठ अंडर 62 के स्कोर के साथ अमेरिका के जे.जे. स्पौन के साथ संयुक्त रूप से तालिका में शीर्ष पर है।

भारत को अगले साल हॉकी विश्व कप से पहले सुधार की जरूरत : अभिषेक

नई दिल्ली ।

हाल में समाप्त हुए राष्ट्रमंडल खेलों में अपने शानदार प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले युवा फॉरवर्ड अभिषेक ने कहा कि भारतीय टीम का लक्ष्य अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में रहना है। बर्मिंघम में 6 मैचों में 2 गोल करने वाले अभिषेक ने कहा- हम सभी एक टीम के रूप में सुधार करना चाहते हैं। अगले साल विश्वकप होना है और उससे पहले सभी खिलाड़ी अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में रहना चाहते हैं। राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय टीम फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी। अभिषेक ने कहा कि इतने बड़े मंच पर अच्छा प्रदर्शन करना मेरे लिए यादगार अनुभव रहा। इस टूर्नामेंट के दौरान मुझे अपने खेल के बारे में काफी कुछ सीखने को मिला और पता चला कि किन क्षेत्रों में मुझे सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा- हमने पूरी प्रतियोगिता में एक टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया जबकि हमारा सामना कड़े प्रतिद्वंद्वियों से था। प्रत्येक मैच हमारे लिए एक चुनौती था और हमने इसका डटकर सामना किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में भले हमें जीत नहीं मिली लेकिन हमने उससे काफी कुछ सीखा। हम इन क्षेत्रों में अभ्यास के दौरान सुधार करेंगे। हरियाणा के इस फॉरवर्ड ने मुख्य कोच ग्राहम रीड का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा- हमारे मुख्य कोच ग्राहम रीड ने अभ्यास सत्र से पहले ही मुझसे कहा था खेल का आनंद लो और बहुत अधिक दबाव मत बनाओ। उनकी इस सलाह से मुझे राष्ट्रमंडल खेलों में काफी मदद मिली और मैं अपना नैसर्गिक खेल खेलने पर ध्यान देने में सफल रहा।

रूट की जगह नंबर एक पर आ सकते हैं बाबर : जयवर्धने

दुबई । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि आजम इंग्लैंड के जो रूट की जगह नंबर एक बन सकते हैं। जयवर्धने के अनुसार आजम इसी प्रकार खेलते रहे तो शीघ्र ही आजम की जगह पर वह शीर्ष स्थान हासिल कर लेंगे। रूट जून से ही आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं। उन्होंने 2021 में आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर का पुरस्कार भी जीता। जयवर्धने से जब पूछा गया कि रूट को शीर्ष स्थान से कौन हटा सकता है तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बाबर आजम के पास मौका है। वह तीनों ही प्रारूपों में लगातार अच्छा खेल रहा है और उसकी रैंकिंग में यह नजर आता है। वह स्वाभाविक रुप से प्रतिभाशाली खिलाड़ी है और हर हालात में खेल सकता है। उन्होंने कहा, ' रिकार्ड बनाना इस बात पर निर्भर करता है कि कौन कब कितना क्रिकेट खेल रहा है पर बाबर के पास अवसर है। बाबर तीनों ही प्रारूपों में शीर्ष तीन में शामिल एकमात्र खिलाड़ी हैं। जयवर्धने ने कहा, 'टी20 और एकदिवसीय क्रिकेट में रैंकिंग बरकरार रखना आसान नहीं है क्योंकि कई अच्छे खिलाड़ी लगातार अच्छा खेल रहे हैं।

एमआई एमिरेट्स में शामिल हुए पोलार्ड, ब्रावो और बोल्ट

मुंबई/दुबई ।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की बहुप्रतीक्षित इंटरनेशनल लीग टी20 में रिलायंस इंडस्ट्रीज की टीम एमआई एमिरेट्स ने उद्घाटन सत्र के लिए कीरोन पोलार्ड, ड्वेन ब्रावो और ट्रेंट बोल्ट को शामिल किया है। एमआई एमिरेट्स ने शुक्रवार को इंटरनेशनल लीग टी20 के लिए अपनी टीम की घोषणा करते हुए कहा कि वर्तमान और पूर्व मुंबई इंडियन्स (एमआई) खिलाड़ियों के साथ-साथ कुछ नए नामों को भी टीम में शामिल किया गया है। एमआई एमिरेट्स में पोलार्ड, ब्रावो और बोल्ट के अलावा निकोलस पूरन और इमरान ताहिर भी नीली और सुनहरी जर्सी में नजर आएंगे। हाल ही में द हंड्रेड का पहला शतक जड़ने वाले इंग्लिश बल्लेबाज विल स्मीड को भी एमआई परिवार का हिस्सा बनाया गया है। इसके अलावा, आंद्रे फ्लेचर (वेस्ट इंडीज), समित पटेल (इंग्लैंड) और जॉर्डन थॉम्पसन (इंग्लैंड) टीम से जुड़ने वाले नए नाम हैं। रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा, मुझे खुशी है कि हमारे प्रमुख खिलाड़ियों में से एक, किरोन पोलार्ड एमआई एमिरेट्स के साथ जुड़ रहे हैं। उनके साथ मुंबई इंडियन्स के पूर्व खिलाड़ी ड्वेन ब्रावो, ट्रेंट बोल्ट और निकोलस पूरन भी हमसे दोबारा जुड़ रहे हैं। एमआई एमिरेट्स के सभी खिलाड़ियों का स्वागत है।

भारत को पंत और कार्तिक के बीच फैसला करने की जरूरत : पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज

नई दिल्ली ।

भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज सबा करीम को लगता है कि टीम को ऋषभ पंत या दिनेश कार्तिक में से किसी एक को अंतिम एकादश में रखने के बीच फैसला करना है। यूएई में 27 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप के साथ भारत के लिए अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में पुरुषों के टी20 विश्व कप से पहले प्लेइंग इलेवन को सुलझाने का मौका देगा। जून में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपनी वापसी के बाद से कार्तिक शानदार फॉर्म में हैं और फिनिशर की भूमिका अच्छे से निभा रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ राजकोट में कठिन पिच पर 27 गेंदों में 55 रन और त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ मुश्किल पिच पर नाबाद 19 गेंदों में 41 रन की पारी ने कार्तिक के कुछ उदाहरण पेश किए हैं जो हाल के दिनों में भारत को लाभान्वित कर रहे हैं। दूसरी तरफ इंग्लैंड के खिलाफ दो बार सलामी बल्लेबाज के रूप में आजमाए जाने के अलावा पंत का मिश्रित रन रहा है। जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के बाद से, जहां वह स्टैंड-इन कप्तान थे, पंत का सर्वोच्च स्कोर वेस्ट इंडीज के खिलाफ संयुक्त राज्य अमरीका के लॉडरहिल में चौथे टी20 में 44 रहा है। करीम ने कहा, मुझे लगता है कि संतुलन सही करने के लिए, भारत ने पांच गेंदबाजों और हार्दिक पांड्या के साथ 6 गेंदबाजी विकल्प के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। तो क्या आप उस तरह के संयोजन को तोड़ना चाहते हैं और सातवें नंबर पर दिनेश कार्तिक को लाना चाहते हैं। नंबर 7? इसका मतलब है कि आप पांचवें गेंदबाज हार्दिक पांड्या के साथ जाते हैं, जिनसे उम्मीद की जाती है कि वे 4 ओवर फेंकेंगे इसलिए यह भारतीय टीम प्रबंधन की एक और बड़ी कॉल है। उन्होंने आगे कहा, तो अगर ऐसा है तो यह भारतीय टीम प्रबंधन के लिए कुछ समस्याएं पैदा कर सकता है। मैंने रोहित शर्मा की कप्तानी से जो कुछ भी देखा है, मुझे लगता है कि वह पांच नियमित गेंदबाजों और हार्दिक पांड्या को अपने छह गेंदबाजी विकल्प के रूप में पसंद करते हैं। अगर ऐसा है तो आपको ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक के बीच फैसला करने की जरूरत है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा, पंत या कार्तिक को एकादश में रखने का फैसला करने से भारत को टी20 अंतरराष्ट्रीय में चौथे नंबर पर पहुंचने में मदद मिलेगी। हां, आपको इसे जल्द से जल्द सुलझाने की जरूरत है।

एशिया कप से पहले फिटनेस कैंप से गुजरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली । 27 अगस्त से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले एशिया कप से पहले भारतीय टीम बैंगलुरू की नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) फिटनेस कैंप से गुजरेगी। भारतीय टीम यूएई के हालातों से तालमेल बिठाने के लिए एक सप्ताह पहले वहां पहुंचेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार कप्तान रोहित शर्मा की यह टीम 20 अगस्त को ही यूएई के लिए रवाना हो जाएगी और फिर वहां कैंप लगाकर तैयारियों को पूरा करेगी। यूएई के लिए रवाना होने से पहले कप्तान रोहित सहित सभी खिलाड़ियों को फिटनेस जांच से गुजरना होगा। एक बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, 'टीम इंडिया 18 अगस्त को नेशनल क्रिकेट एकेडमी, बेंगलुरू में एकत्र होगी। यहां खिलाड़ियों को फिटनेस जांच से गुजरना होगा। प्रोटोकॉल के तहत लंबे ब्रेक के बाद खिलाड़ियों के लिए इस तरह के फिटनेस टेस्ट देना जरुरी होता है। भारतीय टीम 20 अगस्त को दुबई के लिए रवाना होगी। पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले भारतीय टीम का तीन दिन का एक कैंप दुबई में लगेगा। जिससे खिलाड़ी दुबई के हालातों के हिसाब से अपने को ढाल सकेंगे।' वहीं युवा खिलाड़ी दीपक हुडा और आवेश खान जो जिम्बाब्वे दौरे के लिए चुनी गई टीम का भी हिस्सा हैं, वो 22 अगस्त को एकदिवसीय सीरीज खत्म होने के बाद सीधे दुबई पहुंचेंगे। इन दोनों ही खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट से नहीं गुजरना होगा और यह दोनों खिलाड़ी 23 अगस्त को दुबई में भारतीय दल से सीधे जुड़ जाएंगे। दीपक चाहर भी स्टैंड बाय खिलाड़ी के तौर पर एशिया कप के लिए जाएंगे।

दिनेश टेक्सटाइल द्वारा 75000 तिरंगे का वितरण किया जा रहा है

सूरत। हमारा देश आजादी के 75 वर्ष पूर्ण करने वाला है ऐसे में कुछ दिनों पहले देश के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश को संबोधित करते हुए कहा था कि आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव में हर घर तिरंगा का अभियान चलाया जाएगा जिसके तहत देश के हर घर में 13 से 15 अगस्त तक तिरंगा लहराएगा। इस अभियान के तहत देश के अलग-अलग शहरों और गांवों में सभी लोग अपने घरों में तिरंगा लगा रहे हैं और कई संस्था तिरंगा वितरण का कार्य कर रहे हैं ऐसा ही कुछ सूरत के दिनेश टैक्सटाइल्स के मालिक दिनेश पांडे द्वारा भी किया जा रहा है।दिनेश टेक्सटाइल द्वारा अलग-अलग प्रदेशों में अपने ग्राहकों को साड़ी के साथ साथ तिरंगा भी दिया जा रहा है। दिनेश पांडे ने बताया कि हमारा देश माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आजादी का 75 वां वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा हैं। जिसके लिए हमारे DT ट्रेंडज प्राइवेट लिमिटेड ग्रुप ऑफ दिनेश टेक्सटाइल द्वारा 75 हज़ार साड़ी के बॉक्स और 75 हज़ार तिरंगा झंडा अलग-अलग प्रदेशों के डिस्ट्रीब्यूटर को दिया जा रहा है। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा पहुंच सके इसलिए हमारे द्वारा बॉक्स के माध्यम से तिरंगा पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

मुख्यमंत्री आज 'स्कूल ऑफ ड्रोन' संकाय का करेंगे शुभारंभ

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल 13 अगस्त, सुबह 11 बजे गांधीनगर स्थित गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (जीएनएलयू) से 'कौशल्या-द स्किल यूनिवर्सिटी' के अंतर्गत 'स्कूल ऑफ ड्रोन' संकाय का शुभारंभ करेंगे। दुनिया भर में तकनीकी क्रांति के साथ कदम मिलाने तथा देश के युवाधन को अद्यतन टेक्नोलॉजी से निरंतर अपडेट करने के साथ ही युवाओं के कौशल को और बेहतर तरीके से एप्लाई करने, री-स्किलिंग एवं अप-स्किलिंग कर आधुनिक टेक्नोलॉजिकल युग के साथ तालमेल बिठाने के मकसद से राज्य सरकार के लिए अद्यतन टेक्नोलॉजिकल स्किल सिखाने वाले लेटेस्ट पाठ्यक्रम शुरू करना अनिवार्य बन गया है। कार्यक्रम में श्रम, कौशल विकास और रोजगार मंत्री ब्रिजेश कुमार मेरजा तथा स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल भी उपस्थित रहेंगे। ड्रोन टेक्नोलॉजी के एक तेजी से विकसित हो रहा क्षेत्र है। इसके कृषि क्षेत्र में उर्वरक और कीटनाशकों के छिड़काव तथा कृषि उपज की उत्पादकता बढ़ाने, यातायात प्रबंधन, भूमि सर्वेक्षण और रक्त या मानव अंगों को पहुंचाने जैसी स्वास्थ्य सेवाओं तथा ई-कॉमर्स के क्षेत्र में व्यापक उपयोग की संभावनाएं हैं। इससे प्रशिक्षित ड्रोन पायलट की मांग में बढ़ेगी। वर्तमान में देश में केवल 25 निजी संस्थान हं जो प्रशिक्षण के लिए 50 से 70 हजार रुपए की फीस लेते हैं। इसके समक्ष इस यूनिवर्सिटी के माध्यम से इसी तरह के पाठ्यक्रम के लिए मामूली फीस लेकर प्रशिक्षण देने का आयोजन किया गया है। ड्रोन पायटल प्रशिक्षण काफी संवेदनशील और सार्वजनिक सुरक्षा से संबंधित होने के कारण भारत सरकार के नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा दी जाने वाली मंजूरी की प्रक्रिया बहुत सख्त होती है। राज्य के कौशल्या-द स्किल यूनिवर्सिटी द्वारा इसके लिए अग्रिम आयोजन कर स्वीकृति हासिल करने की सभी तैयारियां पूरी कर मंजूरी प्राप्त कर ली गई है। अब तक आईटीआई के 59 इंस्ट्रक्टरों को ड्रोन पायलट ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण देकर तैयार किया गया है। कौशल्या-द स्किल यूनिवर्सिटी के अंतर्गत स्कूल ऑफ ड्रोन ने भारत सरकार के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार प्रशिक्षण सुविधा स्थापित की है। डीजीसीए ने इन सारी सुविधाओं की जांच करने के बाद इसे योग्य पाते हुए स्किल यूनिवर्सिटी को ड्रोन पायलट प्रशिक्षण के लिए डीजीसीए अधिकृत रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन (आरपीटीओ) के रूप में मंजूरी दी है। कौशल्या-द स्किल यूनिवर्सिटी इस तरह की मंजूरी पाने वाली देश की पहली राज्य यूनिवर्सिटी है। स्कूल ऑफ ड्रोन में प्रशिक्षण लेने के बाद युवाधन के लिए कृषि, भू-सर्वेक्षण, आपदा प्रबंधन, अपराध संशोधन, एरियल फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी, विजिलेंस मॉनिटरिंग और संरक्षण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में रोजगार और स्व-रोजगार के

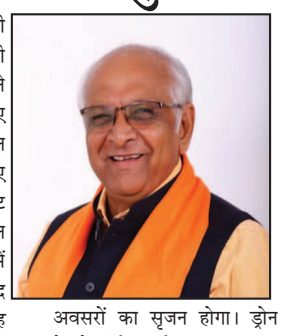

अवसरों का सृजन होगा। ड्रोन टेक्नोलॉजी की आवश्यकता शहरों जितनी ही गांवों में भी है। विशेषकर कृषि क्षेत्र में इसकी बड़ी आवश्यकता है। इस यूनिवर्सिटी द्वारा दिए जाने वाले प्रशिक्षण में इस तरह का आयोजन किया गया है जिसमें छात्र न केवल सैद्धांतिक प्रशिक्षण बल्कि उच्चस्तरीय व्यावहारिक कौशल भी अर्जित कर सकेगा।

जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन-JITO संस्थान द्वारा अवध क्लब में 14 व 15 अगस्त 2022 को दो दिवसीय जीतो कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया

सूरत। JITO सूरत चैप्टर के अध्यक्ष श्री जवाहरभाई धारीवाल ने कहा कि रविवार को दि. पहले दिन 14 अगस्त 2022 को गुजरात जोन कन्वेंशन का आयोजन किया गया है। जिसमें गुजरात जोन के 6 चैप्टर के 300 सदस्य मौजूद रहेंगे. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शीर्ष अध्यक्ष गणपतराज चौधरी मौजूद रहेंगे।

गुजरात जोन कन्वेंशन के बाद, जेपीएफ यानी JITO प्रोफेशनल फोरम के विषय पर ग्रुप डिस्कशन का आयोजन किया गया है। रोजी ब्लू डायमंड के प्रबंधक श्री दिलीप मेहता उपस्थित रहेंगे।

फिर जे.आई.आई.एफ. यानी JITO इनक्यूबेशन सेंटर और एंजेल फंड - सार्क एंजल्स (नया स्टार्टअप निवेश) का भी आयोजन किया जाएगा। बॉलीवुड सिंगर आदित्य उदित नारायण रविवार रात साढ़े सात बजे इंदौर स्टेडियम में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम में प्रस्तुति देंगे।

जिसमें मुख्य अतिथि गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद श्री सी.आर. पाटिलजी और गुजरात राज्य के गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष सांघवी उपस्थित रहेंगे। अगले दिन सोमवार 15 अगस्त 2022 को JITO के नए कार्यालय के उद्घाटन के साथ ही JITO एपेक्स बोर्ड की उपस्थिति में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

ध्वजारोहण के बाद JITO के केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन होगा। बाद में जीतो एपेक्स व जेआईटीओ यूथ विंग की बोर्ड बैठक, जैन श्रेष्ठावर्या के साथ बैठक समारोह, जैन गॉट टैलेंट एवं लीडरशिप वर्कशॉप का भी आयोजन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में पूरे 2 दिवसीय सम्मेलन के शीर्षक प्रायोजक मिलन पारिख, जीतो सूरत चैप्टर के अध्यक्ष श्री जवाहरभाई धारीवाल, जीतो सूरत चैप्टर के संस्थापक अध्यक्ष योगेश जैन, पूर्व अध्यक्ष सी.ए. प्रदीप सिंघी,JITO के शीर्ष निदेशक बाबूलाल ढिल्लीवाल, JITO सूरत चैप्टर के मुख्य सचिव आशीष दोशी, JITO सूरत चैप्टर सचिव और अल्पेश शाह, Hotel Radiance Park Inn के प्रबंधक, जीतो सूरत चैप्टर कोषाध्यक्ष अभय राठौर, यूथ विंग के निदेशक जैनिश धिलीवाल, प्रेस समन्वयक/संयोजक केतन जावेरी, संरक्षक सदस्य मनीष अमलानी, सीए जिग्नेश शाह उपस्थित थे।

गुजरात राज्य के डांग जिले में 25 गांवों में टेलीमेडिसिन का कार्यक्रम शुरू

सूरत। आंतरिक आदिवासी गांव के दरवाजे पर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से लाभकारी संगठन डॉक्टर के आश्रम फाउंडेशन ने एक अत्याधुनिक टेलीमेडिसिन कार्यक्रम शुरू करने के लिए नवसारी जिले के खरल गांव में स्थित एक गैर सरकारी संगठन ग्राम सेवा ट्रस्ट के साथ सहयोग किया है।

इस प्रोग्राम को गुरुवार को अमेरिका स्थित सॉफ्टवेयर सर्विस प्रोवाइडर इवोल्को के साथ टेक्नोलॉजी पार्टनर के तौर पर लांच किया गया। यह कार्यक्रम दक्षिण गुजरात के डांग जिले के करीब 25 गांव में लागू किया जाएगा। नई और परिवर्तनकारी तकनीको ने चिकित्सा क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आकार को कम करने का मार्ग प्रशस्त किया है। जैसे ब्लड प्रेशर, मॉनिटर ऑक्सिमीटर और इकोकार्डियोग्राम आदि। चुंकी ये उपकरण उपयोगकर्ता के अनुकूल है, यहां तक कि एक आम व्यक्ति भी घर पर तापमान, रक्तचाप, हृदय गति, ऑक्सीजन स्तर, ग्लूकोज आदी जैसी महत्वपूर्ण चीजों को बहुत सुगमता और आसानी से माप सकता है।

टेलीमेडिसिन कार्यक्रम शुरू करने के पीछे का विचार छोटे और उपयोगकर्ता के अनुकूल चिकित्सा उपकरणों और कृत्रिम बुद्धिमता सक्षम प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म नो की शक्ति को जोड़ना है ताकि दूरदराज के क्षेत्रों में रोगी के लक्षणों के आधार पर सामान्य बीमारियों का सटीक निदान किया जा सके।

सैमसंग ने गैलेक्सी जेड फ्लिप4 एवं जेड फोल्ड4 लांच किया : एक ऐसा फोन जो हमारे स्मार्टफोन के साथ इंटरैक्ट करने के तरीके को बदल कर रख देगा

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कं, लिमिटेड ने आज अगली पीढ़ी के शानदार फोल्डेबल स्मार्टफोन गैलेक्सी जेड फ्लिप4 और गैलेक्सी जेड फोल्ड4 की लांच की घोषणा की।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स में मोबाइल एक्सपेरिएंस बिजनेस के अध्यक्ष और प्रमुख डॉ टीएम रोह ने कहा, "हमारे बिल्कुल नए फोल्डेबल डिवाइस उपयोगकर्ताओं को एक अद्वितीय मोबाइल अनुभव प्रदान करते हैं और हमारे उपयोगकर्ताओं की हर जरूरत को पूरा करते हैं। इन डिवाइस को बनाने के लिए हमें बेहद ज्यादा फोकस करना पड़ता है और फोल्डेबल डिवाइस में हम इंडस्ट्री लीडर हैं। आज के समय में फोल्डेबल डिवाइस के लिए लोग बेहद उत्साहित हैं। फोल्डेबल डिवाइस की इस श्रेणी को एक छोटे से प्रोजेक्ट से बढ़ाकर हम मेनस्ट्रीम के डिवाइस में बदल चुके हैं जिसका दुनियाभर में लाखों लोग आनंद ले रहे हैं।"

गैलेक्सी जेड फ्लिप4 सैमसंग के प्रतिष्ठित फॉर्म फैक्टर की सफलता पर आधारित है, जिसमें उन्नत कैमरा अनुभव, एक बड़ी बैटरी और कस्टमाइजेशन जैसी शानदार विशेषताएं शामिल हैं। इन सभी विशेषताओं के साथ ही अल्ट्रा-कॉम्पैक्ट डिज़ाइन को बनाए रखा गया है। गैलेक्सी जेड फोल्ड4 सैमसंग का अब तक का सबसे शानदार स्मार्टफोन है तथा अपने उपयोगकर्ताओं को व्यापक अनुभव प्रदान करता है। इसके अंदर एक उन्नत कैमरा तकनीक के साथ-साथ एक शक्तिशाली मोबाइल प्रोसेसर प्रदान किया गया है। इस स्मार्टफोन के अंदर आकार बदलने वाली डिज़ाइन, इमर्सिव स्क्रीन डिस्प्ले और पीसी जैसी मल्टीटास्किंग सुविधाएं प्रदान की गई है।

किरण होस्पीटल सूरत द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर देश भर में जटिल बीमारियों से पीड़ित 750 बच्चों की मुफ्त सर्जरी

सूरत। स्वतंत्र भारत के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है तब किरण अस्पताल सूरत द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर देश के *बच्चों को राहत देने के लिए एक ठोस प्रयास किया जा रहा है। गंभीर बीमारियों से पीडति। हृदय प्रत्यारोपण, लीवर ट्रांसप्लांट, किडनी ट्रांसप्लांट, बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी सर्जरी भी बच्चों को जन्मजात जटिलताओं के दर्द से राहत देने के लिए किरण अस्पताल द्वारा बहुत महत्वपूर्ण योजना बनाई गई है। इस योजना के तहत 10 साल तक की उम्र तक के जटिल रोगों से पीडति 750 बच्चों की निःशुल्क सर्जरी और इलाज किया जाएगा। देश में कुछ ही अस्पताल ऐसे जटिल ऑपरेशन करने में सक्षम हैं। इस तरह के ऑपरेशन में 25 लाख तक का खर्च आता है।

इस तरह के जटिल ऑपरेशन करने के लिए किरण मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के 43 विभाग अत्याधुनिक उपकरणों से लैस हैं और हर बीमारी का इलाज करने में सक्षम हैं। इन सभी विभागों में हर साल 4 लाख से ज्यादा मरीज सेवाएं ले रहे हैं। पूरे देश के अलावा अन्य देशों के लोग भी किरण अस्पताल की सेवा ले रहे हैं। आज़ादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर एक वर्ष में जटिल रोगों से पीडति 750 बच्चों को नि:शुल्क उपचार प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक किरण अस्पताल द्वारा लिया गया निर्णय अत्यंत सराहनीय है।

इन बच्चों की सर्जरी का खर्चा उठाने के लिए किरण अस्पताल को बड़े फंड की व्यवस्था करनी होगी। किरण अस्पताल द्वारा कई सेवा कार्य लगातार किए जा रहे हैं। आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाने वाला यह देश का एकमात्र अस्पताल होगा और इसने जटिल बीमारियों से पीडति 750 बच्चों का बिना सर्जरी और इलाज के इलाज करने का फैसला किया है।

इसके अलावा, पद्मश्री माथुरभाई सवानी का कहना है कि जो लोग किरण अस्पताल में एक जटिल बीमारी के लिए अपने बच्चे का निः शुल्क इलाज कराना चाहते हैं, उन्हें 15 सितंबर, 2022 तक पूरे विवरण के साथ किरण अस्पताल में बच्चे का पंजीकरण कराना होगा। किए गए पंजीकरण के आधार पर एक महीने के भीतर बच्चों का डॉक्टर द्वारा निदान किया जाएगा और उस महीने में संख्या के अनुसार उनका ऑपरेशन किया जाएगा।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फ्रीडम एसआईपी के फायदे : जयेश एन पारेख, म्युचुअल फंड वितरक

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फ्रीडम एसआईपी के फायदे जयेश एन पारेख, म्युचुअल फंड वितरकद्वारा बताये हे । फ्रीडम एसआईपी एक व्यवस्थित निवेश योजना और व्यवस्थित निकासी योजना का मिश्रण है जो निवेशकों को उनके सेवानिवृत्ति लक्ष्यों को योजनाबद्ध और आसान तरीकों से हासिल करने में मदद करता है। इस स्कीम के तहत निवेशक 8, 10, 12 या 15 साल की निर्धारित अवधि के लिए एसआईपी को शुरू कर सकता है। आम तौर पर लंबी अवधि के लिए चुनी जाने वाली एसआईपी इक्विटी आधारित होनी चाहिए।

एक बार एसआईपी की अवधि समाप्त हो जाने पर जमा राशि को दूसरी स्कीम में भेज दिया जाता है, जो या तो डेट आधारित या हाईब्रिड प्रकृति की होती हैं। ऐसा इक्विटी बाजार की अस्थिरता से फंड की सुरक्षा करने के मकसद से किया जाता है।

इसके बाद, इस फंड से एसडल्ब्यूपी प्रक्रिया की शुरुआत होती है और यह यूनिट के उपलब्ध होने तक जारी रहता है। एसडब्ल्यूपी के मामले में, मासिक एसडब्ल्यूपी राशि प्रारंभिक एसआईपी राशि के गुणक में होती है, जो 1 गुना से 3 गुना तक हो सकता है। 8 साल के एसआईपी कार्यकाल के लिए, मासिक एसडब्ल्यूपी किस्त 1 गुना होगी। इसी तरह 10, 12 और 15 साल के लिए एसडब्ल्यूपी की किस्त क्रमशः 1.5, 2 और 3 गुना होगी। मसलन, यदि 15 वर्ष की अवधि के लिए शुरुआती एसआईपी 10,000 रुपये प्रति माह है, तो एसडब्ल्यूपी 30,000 रुपये (10,000 का तीन गुना) होगी।

फ्रीडम एसआईपी में लॉक-इन अवधि होती हैः फ्रीडम एसआईपी में 8, 10, 12 या 15 साल की लॉक-इन अवधि होती है। यह आपको बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण अपने एसआईपी को रोके बिना व्यवस्थित रूप से निवेश जारी रखने और आवश्यक पूंजी जमा करने में मदद कर सकता है।

उचित रिटर्न देती हैः सैकड़ों स्कीम्स को देखने की बजाय, आपके पास अपनी सेवानिवृत्ति यात्रा शुरू करने के लिए सोर्स या टारगेट स्कीम्स की एक तैयार सूची तक पहुंच होनी चाहिए। यह अव्यवस्था को दूर करने में मदद करता है। उपलब्ध विकल्पों में इक्विटी, हाइब्रिड और एफओएफ (फंड्स ऑफ फंड्स) में कई तरह की योजनाएं शामिल हैं।

ऑटोमेटिक एसडब्ल्यूपीः जब आप फ्रीडम एसआईपी सुविधा का लाभ उठाते हैं, तो आपको एसडब्ल्यूपी को मैन्युअल रूप से शुरू करने या हर महीने आवश्यक आदर्श एसडब्ल्यूपी राशि तय करने के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं होती है। यहां, पूरी प्रक्रिया एक स्वचालित तरीके से की जाती है, जिसे बस एक बार स्थापित करना होता है। अंत में, फ्रीडम एसआईपी एक ऐसी सुविधा है जो किसी के जीवन के सेवानिवृत्ति के दौरान बचत और निकासी को स्वचालित करने में मदद करती है। साथ ही, यह नकदी प्रवाह के बारे में आपको एक निश्चित अनुमान देता है, जिससे आप दिन-प्रतिदिन की जरूरतों को आराम से पूरा कर पाते हैं, और यह इस स्कीम की एक महत्व,पूर्ण विशेषता है।

एयरटेल डिजिटल ने लॉन्च किया विंक स्टूडियो, इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट्स के लिए भारत का सबसे बड़ा म्यूजिक डिस्ट्रीब्यूशन इकोसिस्टम

नई दिल्ली । डाउनलोड और डेली एक्टिव यूज़र्स की संख्या के मामले में भारत के नंबर 1 म्यूजिक स्ट्रीमिंग ऐप, विंक म्यूजिक ने आज भारत और विदेशों के इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट्स के लिए भारत के सबसे बड़े म्यूजिक डिस्ट्रीब्यूशन इकोसिस्टम विंक स्टूडियो के शुभारम्भ की घोषणा की। स्टूडियो कलाकारों को अपना संगीत लॉन्च करने में सक्षम बनाएगा और कई प्लेटफॉर्म पर उनके म्यूजिक को मॉनेटाइज करने के लिए उनके साथ भागीदारी भी करेगा। विंक स्टूडियो एयरटेल के डिजिटल प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का एक हिस्सा होगा जिसमें विंक, एयरटेल एक्सस्ट्रीम, एयरटेल ऐड्स, एयरटेल आईक्यू शामिल हैं।

विंक स्टूडियो भारत में म्यूजिक इकोसिस्टम को गति प्रदान करने की दिशा में एयरटेल का एक महत्वपूर्ण कदम है। स्टूडियो की योजना अगले एक वर्ष में इस मंच पर 5000 से अधिक इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट्स को लॉन्च करने की है।

यह इंडियन म्यूजिक इंडस्ट्री में सफलता और विफलता के बीच के अंतर का निर्धारण करने वाली तीन सबसे प्रमुख समस्याओं - डिस्कवरी, मॉनेटाइजेशन और एनालिटिक्स का समाधान प्रदान करते हुए उन प्रतिभाओं को सामने लाएगा जो अबतक अज्ञात हैं।

वर्तमान में इंडियन म्यूजिक इंडस्ट्री एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर है। भारतीय संगीत प्रेमी औसतन 18 घंटे के वैश्विक औसत के मुकाबले संगीत सुनने में प्रति सप्ताह लगभग 21 घंटे व्यतीत करते हैं। भारत में किसी भी म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर शीर्ष प्रदर्शन करने वाले गीतों में से लगभग 30% इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट्स के हैं और इन इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट्स द्वारा किया गया इस उद्योग का विकास लगभग रू2000 करोड़ से 50 फीसदी बढ़कर 2025 तक रू3000 करोड़ का हो जाएगा।

विंक स्टूडियो कैसे एक कलाकार की मदद करेगा

1. डिस्कवरी - कलाकारों को अपने संगीत को विंक म्यूजिक ऐप के साथ-साथ अन्य संगीत प्लेटफार्मों पर रिलीज़ करने की क्षमता प्रदान करना। विंक ऐप पर, संगीत प्रेमी अपने पसंदीदा संगीतकारों के गीतों को सेव कर सकते हैं, डाउनलोड कर सकते हैं और उन्हें फॉलो भी कर सकते हैं।

2. मॉनेटाइजेशन - एयरटेल के शक्तिशाली डिस्ट्रीब्यूशन क्षमता के सहयोग से, उभरते हुए कलाकारों को सीमित समय सीमा में रिकॉर्ड स्ट्रीमिंग व्यूज प्राप्त करने में मदद मिलती है। यह कलाकारो को प्रत्येक स्ट्रीम के साथ निरंतर कमाई की गारंटी देता है, जिससे उन्हें संगीत में अपना करियर बनाने में मदद मिलती है।

3. ट्रांसपरेंसी एंड डेटा एनालिटिक्स - एयरटेल के व्यापक डेटा साइंस क्षमता की मदद से, कलाकार अब ऐसा संगीत बना सकते हैं, जो उनके प्रशंसकों को आकर्षित कर सके और उनके लिए लाभदायक हो।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)